दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
RNI NO.CHHHIN/2015/62431 रायपुर, बुधवार 1 दिसंबर 2021, कृष्ण पक्ष एकादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-284 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

बड़े मियां तो बड़े मियां छोटे मियां सुभान अल्लाह। डॉ. फारूख अब्दुल्ला पाकिस्तान की भाषा बोलते ही है और आतंकवादियों के पैरोकार बनते है। उनके साहब जादे उमर अब्दुल्ला भी उन्हीं के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। बकौल उमर अब्दुल्ला 370 के खात्मे के बाद कश्मीर में आतंकवाद बढ़ा है। जबकि हकीकत यह है कि वहां चुन-चुन कर आतंकवादियों को जहन्नुम रसीद किया जा रहा है। उमर अब्दुल्ला का कहना है कि कश्मीर के युवा बेरोजगार हो गए है। इसलिए बंदूक उठाने पर बाध्य हो रहे हैं। अच्छा है। उठाओं बंदूक। सेना ऐसे बंदूक बाजों को दुनिया से उठाने के लिए तैयार है।

सूर्योदय

उदय : 6:55 प्रात:

अस्त : 5:36 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,910,179,490

भारत : 1,399,512,320

बाजार

सेंसेक्स : 57,064.87

निफ्टी : 16,983.20

गोल्ड : 47,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 61,900 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 4.56 प्रति नग

दिवस

विश्व एड्स दिवस

विश्व एड्स दिवस पहली बार 1 दिसंबर, 1988 को मनाया गया था। इसे मनाने का उद्देश्य एचआईवी या एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करना और एड्स से जुड़े मिथ को दूर करते हुए लोगों को शिक्षित करना है। ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस एक ऐसा वायरस है जो शरीर में कोशिकाओं पर अटैक करता है, जो शरीर को इंफेक्शनन से लड़ने में मदद करता है, जिससे व्यक्ति अन्य संक्रमणों और बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।

आज से 2399 केंद्रों में 22.66 लाख किसानों से 31 जनवरी तक होगी धान खरीदी

■ 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य, सवा पांच लाख गठान बारदाने की जरूरत

■ किसानों को पहले दिन से ही स्वयं के बोरे में धान बेचने की अनुमति

रायपुर/नवप्रदेश। छग में आज से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू होगी। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। इस वर्ष 22.66 लाख पंजीकृत किसानों से 2399 सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी होगी। पंजीकृत किसानों से लगभग 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान है। इस वर्ष ग्रामीण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 88 नवीन धान उपार्जन केन्द्रों को प्रारंभ करने की अनुमति दी गई है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के तहत समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की नकद एवं लिंकिंग के माध्यम सें खरीदी एक दिसम्बर से 31 जनवरी तक तथा मक्का की खरीदी 1 दिसम्बर से 28 फरवरी तक की जाएगी। खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के लिए औसत अच्छी किस्म के धान के लिए समर्थन मूल्य की दर, धान कॉमन 1940 रूपए प्रति क्विंटल, धान ग्रेड ए 1960 रूपए प्रति क्विंटल तथा औसत ■ शेष पृष्ठ 6 पर

प्रसंगवश

हंगामा खड़ा करना ही मकसद न हो

यशवंत धोटे

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस सत्र में काम कम और शोर शराबा अधिक हो रहा है । पूर्व के सत्रों की तरह यह सत्र भी यदि हंगामों की भेंट चढ़ जाए तो किसी को कोई ताज्जुब नहीं होगा। दरअसल संसद में काम काज ठप्प करना और गतिरोध कायम रखना विपक्ष ने अपना कर्म ही नहीं धर्म भी मान लिया है। यह ठीक है कि जनहित से जुड़े मुद्दों को पुरजोर ढंग से उठाना विपक्ष की जिम्मेदारी है और उसे इसका निवर्हन करना भी चाहिए। सरकार को आइना दिखाने और उसे कटघरे में खड़ा करने में विपक्ष को कोई कोताही नहीं करनी चाहिए लेकिन इस नाम पर सिर्फ हंगामा करना और सदन की कार्रवाई को बाधित करना कतई उचित नहीं है। संसद सत्र का हर पल बेशकीमती होता है। यदि यह बहुमूल्य समय नौटंकी में व्यर्थ जाएगा तो इससे देश का ही नुकसान होगा। माननीयों को यह सोचना होगा कि उन्हें देश की जनता ने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में इसलिए चुनकर भेजा है कि वे उनकी आवाज बने और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाएं और लोक कल्याण का ही कानून बनवाएं न कि व्यर्थ का बवाल खड़ा कर संसद सत्र को हंगामों की भेंट चढ़ाएं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब देश की जनता ही सरकार से यह मांग करने लगेगी कि संसद में भी जितना काम उतना दाम की नीति लागू हो। यदि संसद की कार्रवाई बाधित होती है तो माननीयों का वेतन-भत्ता काटा जाए और उनकी अन्य सुविधाओं में भी कटौती की जाए। सत्र के पहले दिन ही राज्यसभा के 12 सांसदो को पूरे शत्र के लिए निलंबित कर दिया है। इनके माफी मागंने पर निलंबन समाप्त हो सकता है लेकिन माननीयों को अगर माफी मांगनी पड़े तो फिर वह काहे के माननीय? माननीय तो माफी मांगवाने के लिए होते है, माफी मांगना उनकी शान के खिलाफ है। संसद के पिछले सत्र में विपक्ष के जिन दर्जन भर माननीयों ने राज्यसभा में अपने तरीके से अपनी बात रखी थी। जिसे घोर अनुशासनहीनता और गुण्डागर्दी करार दिया गया और सदन की गरिमा को धूमिल करने का आरोप लगाते हुए उन्हें संसद के शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया। सरकार ने संकेत दिया कि यदि ये माननीय माफी मांग ले तो उनका निलंबन समाप्त किया जा सकता है लेकिन माननीयों ने माफी मांगने से इंकार कर दिया। माननीयों को सदन में कुछ भी करने का विशेषाधिकार है। शोर, शराबा करना, हंगामा खड़ा करना, कागज फाडकर उड़ाना, धक्का मुक्की करना और सदन की कार्रवाही बाधित करना कोई अपराध नहीं है। यदि माननीय यह सब नहीं करेंगे तो और क्या करेंगे? देश को पता कैसे चलेगा कि संख्या बल में कम होने के बावजूद विपक्ष मजबूत है। इन बाहुबली माननीयों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाना चाहिए और जिस कमेटी की सिफारिश पर इन माननीयों को निलंबित किया गया है उस कमेटी को इन माननीयों से माफी मांगनी चाहिए। इन क्रांतिकारी माननीयों को उनकी पार्टियों की ओर से सम्मान भी किया जाना चाहिए ताकि अन्य माननीय उनके व्यक्ति और कृतित्व से प्रेरणा ले और संसद में इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पार्टी का नाम रौशन कर सके।

सांसदों के निलंबन पर नायडू ने कहा- माफी से कम पर बात नहीं बनेगी

सांसदों के निलंबन को लेकर सदन में हंगामा, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू से मिले विपक्षी नेता

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सांसदों के निलंबन को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने 12 सांसदों के निलंबन को गैरकानूनी बताते हुए लोकसभा और राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने राज्यसभा अध्यक्ष वेंकैया नायडू के साथ मुलाकात कर निलंबन वापस लेने की अपील की। इस दौरान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने साफ कर दिया कि बिना माफी के निलंबन वापस नहीं होगा। दरअसल, 11 अगस्त को राज्यसभा में हंगामा हुआ था। इसे लेकर शीतकालीन सत्र में 12 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। यानी ये सांसद सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगे। इस मुद्दे पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने वॉकआउट के बाद सदन में गांधी प्रतिमा के बाद विरोध प्रदर्शन किया।

राहुल बोले- माफी बिल्कुल नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि कांग्रेस के निलंबित सांसद माफी नहीं मांगेंगे। राहुल ने ट्वीट किया, किस बात की माफी? संसद में जनता की बात उठाने की? बिल्कुल नहीं।

उपराष्ट्रपति से मिले 8 पार्टी के नेता

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में 8 विपक्षी पार्टियों के नेता वेंकैया नायडू से मिले और सांसदों के निलंबन को वापस लेने की अपील की। हालांकि, वेंकैया नायडू ने साफ कर दिया कि बिना माफी के यह संभव नहीं है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि जिन 12 सदस्यों को निलंबित किया गया उन्हें वापस लेने के लिए आज हम अध्यक्ष महोदय से मिले और उनसे अपील की। पिछले सत्र में जो घटना हुई थी, उसे उठाकर फिर से सदस्यों को निलंबित करना गैरकानूनी है और नियमों के खिलाफ है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, पूरा विपक्ष एकजुट है। सभी सांसदों का निलंबन वापस होना चाहिए। ये लोकतंत्र की हत्या है। हम मजबूती से सदन में अपना पक्ष रखेंगे।

ये सांसद हुए निलंबित

: एलामरम करीम (सीपीएम), छाया वर्मा (कांग्रेस), रिपुन बोरा (कांग्रेस), बिनय विश्वम (सीपीआई), राजामणि पटेल (कांग्रेस), डोला सेन (टीएमसी), शांता छेत्री (टीएमसी), सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना), अनिल देसाई (शिवसेना), अखिलेश प्रसाद सिंह ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ओमिक्रॉन वैरिएंट से राज्यों में मचा हड़कंप

संसद में केंद्र ने कहा- भारत में अभी एक भी मामला नहीं

नई दिल्ली। ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर जहां दुनिया के कई देशों में लोग दहशत में हैं वहीं केंद्र सरकार ने राहत की खबर दी है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा कहा कि कोरोना का नया वायरस दुनिया के 14 देशों में पाया गया है लेकिन यहां अभी तक इसका कोई मामला मिला है। एक एडवाइजरी जारी की गई है अगर कोई संदिग्ध मामला मिलता है तो उसकी तुरंत जांच की जा रही है और जीनोम सीक्वेंसिंग भी की जा रही है। हालांकि, राज्यों में इसे लेकर डर का माहौल बना हुआ है। कई राज्यों की सरकारों ने एहतियातन कदम भी उठाने शुरू कर दिए हैं।

तेलंगाना में बनाई उप-समिति :

तेलंगाना में कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन से निपटने और टीकाकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के उपायों के लिए कैबिनेट की एक उप-समिति बनाई गई है। इस समिति की अध्यक्षता राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव करेंगे।

जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए सैंपल :

ओमिक्रॉन वैरिएंट को लेकर कर्नाटक सरकार ने भी सतर्कता दिखाई है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हम कोविड-19 के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। हमने वैरिएंट की पुष्टि के लिए कुछ सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर कोविड-19 स्क्रीनिंग भी बढ़ाई जाएगी।

इस्राइली ब्रह्मास्त्र से रखी जाएगी चीन पर नजर

भारत को मिला हेरॉन ड्रोन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण कुछ महीनों की देरी के बाद अब एक बार फिर भारतीय रक्षा क्षेत्र को बड़ी मजबूती प्रदान देने की कोशिश शुरू हो गई है। इसी कड़ी में इस्राइल ने लद्दाख क्षेत्र में चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना को उन्नत हेरॉन ड्रोन प्रदान किए हैं। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी एएनआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से दी है। सूत्रों ने जानकारी देते हुए कहा कि ये सभी ड्रोन अभी काम कर रहे हैं और मौजूदा हेरॉन ड्रोन पिछले संस्करणों की तुलना में काफी बेहतर है। उनकी एंटी-जैमिंग क्षमता भी पहले की तुलना में शानदार है। इन ड्रोनों का अधिग्रहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा ■ शेष पृष्ठ 6 पर

पांच साल में छह लाख से ज्यादा ने छोड़ी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली। भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों और ग्रहण करने वालों को लेकर सरकार ने संसद में जो जानकारी पेश की है, वह चौंकाने वाली है। इसके अनुसार बीते पांच सालों में छह लाख से ज्यादा लोगों ने भारतीय नागरिकता त्याग दी है। वहीं, इसी अवधि में 4177 लोगों को देश की नागरिकता दी गई। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार 1 करोड़ 33 लाख 83 हजार 718 भारतीय नागरिक विदेशों में रह रहे हैं। एक सवाल के लिखित उत्तर में मंत्री राय ने कहा कि वर्ष 2017 में 1,33,049 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी। इसी तरह वर्ष 2018 में 1,34,561 ने, वर्ष 2019 में 1,44,017 ने, वर्ष 2020 में 85,248 ने और 30 सितंबर 2021 तक 1,11,287 ने देश की नागरिकता छोड़ी। गृह राज्यमंत्री ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि इसी तरह बीते पांच सालों में 10,645 लोगों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया। इनमें से 4177 को यह प्रदान की गई। नागरिकता पाने का आवेदन करने वालों में 227 अमेरिका के, 7782 पाकिस्तान के, 795 अफगानिस्तान के और 184 बांग्लादेश के हैं। मंत्री राय ने बताया कि वर्ष 2016 में 1106 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई।

आभासी मुद्राओं के विज्ञापन पर रोक का निर्णय नहीं: सीतारमण

नई दिल्ली (वार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज राज्य सभा में कहा कि देश में आभासी मुद्रा (क्रिप्टोकरेंसी) से संबंधित विधेयक कैबिनेट की मंजूरी के बाद आयेगी लेकिन क्रिप्टो को लेकर विभिन्न माध्यमों पर आ रहे विज्ञापनों पर रोक लगाने का निर्णय अभी नहीं लिया गया है।

फिर गिर गया शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक बाजार के नकारात्मक संकेत के बीच स्थानीय स्तर पर टाटा स्टील, रिलायंस, मारुति, एसबीआई समेत 17 कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार पिछले दिवस की तेजी गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 195.71 अंक गिरकर 57,064.87 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 70.75 अंक टूटकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 16,983.20 अंक पर आ गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत छोटी और मझौली कंपनियों में हुई लिवाली ने बाजार को और अधिक गिरने से बचाया। बीएसई का मिडकैप 0.29 प्रतिशत बढ़कर 24,687.60 और स्मॉलकैप 1.45 प्रतिशत चढ़कर 27,937.31 अंक पर पहुंच गया।

निकाय चुनाव — भिलाई, जामुल, भिलाई-3 और रिसाली नगर निगम में कांग्रेसियों के लिए बड़ी चुनौती

क्या इस बार छत्तीसगढ़िया महापौर बना पाएगी कांग्रेस!

भिलाई नगर/नव प्रदेश। राज्य में 15 वर्षो के बाद सत्ता में लौटी कांग्रेस के सामने यह जबरदस्त चुनौती है कि वह दुर्ग जिले में आसन्न नगरीय निकायों के चुनाव में छत्तीसगढ़ी मूल के व्यक्ति को महापौर बनवा सकें। जब से भिलाई, जामुल भिलाई-3 और हाल ही में नए बने रिसाली नगर निगम का गठन हुआ है। तब से अब तक एक भी बार छत्तीसगढ़ी व्यक्ति महापौर नहीं बन पाया है। भिलाई में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति प्रेम प्रकाश पांडेय और सरोज पांडेय के इर्द-गिर्द घूमती है और इन लोगों ने एक मिथक कायम किया हुआ है कि भिलाई और उसके आसपास नगरीय निकायों में गैर छत्तीसगढ़ी विशेष कर यूपी व बिहार का व्यक्ति ही महापौर बन सकता है। ऐसा मिथक भिलाई विधानसभा और वैशाली नगर विधानसभा में भी अब तक कायम है। और इनमें अभी तक कोई भी विधायक छत्तीसगढ़ी नहीं बन पाया है।

घोषित चुनाव में भिलाई ही ऐसा निगम है जिसमें पांचवीं बार निगम के चुनाव हो रहे हैं। पहले चुनाव में उत्तर प्रदेश मूल की कांग्रेस उ मीदवार नीता लोधी ने भारतीय जनता पार्टी की हेमलता साहू को दूसरे चुनाव में भाजपा के पंजाबी उ मीदवार विद्यारतन

भसीन ने बद्रूदीन कुरैशी को तीसरे चुनाव में फिर यूपी की निर्मला यादव ने हेमलता वर्मा को और चौथे चुनाव में यूपी के ही देवेंद्र यादव द्वारा विद्यारतन भसीन को हराकर महापौर पद पर काबिज हुए। जो लोग छत्तीसगढ़ मूल के इन चुनाव में हारे, उनका राजनीतिक अस्तित्व ही समाप्त हो गया। भारतीय जनता पार्टी की हेमलता साहू कांग्रेस में चली गई थी, लेकिन उनका पिछले साल निधन हो गया। वहीं हेमलता वर्मा राजनीति से गायब हैं, निर्मला यादव कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में हैं। इसी तरह भिलाई विधानसभा में भी लगातार गैर छत्तीसगढ़ी विधायक चुना जाता रहा है। आज भी इस विधानसभा का प्रतिनिधत्व यूपी के देवेंद्र यादव कर रहे। इसके पहले तीन बार प्रेम प्रकाश पांडेय और दो बार बद्रूदीन कुरैशी, दो बार फूलचंद बाफना, एक बार रवि आर्य आदि गैर छत्तीसगढ़ी उ मीदवार विधायक बनते रहे हैं। और जब भी छत्तीसगढ़ी उ मीदवारों ने उन्हें चुनौती दी है तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि छत्तीसगढ़ बनने के बाद भिलाई का विभाजन कर बनाई गई वैशाली नगर सीट पर भी पहले सरोज पांडेय, दूसरे भजन सिंह निरंकारी और पिछले दो बार से विद्यारतन भसीन विधायक हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि अपने पहले चुनाव में सांसद बनने के कारण सरोज पांडेय ने वैशाली नगर सीट छोड़ दी थी और वहां उप चुनाव हुआ था। तब भाजपा ने मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री रहे जागेश्वर साहू को उप चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया था, लेकिन भाजपा के ही लोगों के अंतकर्लह का शिकार होकर, भाजपा की ही सरकार होने ■ शेष पृष्ठ 6 पर

विजय माल्या अवमानना मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे उद्योगपति विजय माल्या के खिलाफ अदालत की अवमानना कार्यवाही के मामले में सुप्रीम कोर्ट अब 18 जनवरी को सुनवाई करेगा। अदालत इस केस के फाइनल डिस्पोजल की तैयारी में है। जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस रविंद्र भट्ट और जस्टिस बेला माधुर्य त्रिवेदी की बेंच ने कहा कि कोर्ट मदद के लिए एक अमाइकस क्यूरी (न्याय मित्र) भी नियुक्त करेगा। कोर्ट तय करेगा कि माल्या को क्या सजा दी जाए। हमने बहुत इंतजार कर लिया : जस्टिस यूयू ललित ने कहा कि हमने बहुत इंतजार कर लिया।

जनता के सहयोग से दुर्ग का नाम देश व प्रदेश में फैला

इस ख्याति को बरकरार रखने और दुर्ग को अव्वल के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में दुर्ग निगम की तैयारी शुरू

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम स्वच्छ सर्वेक्षण 2022,स्वच्छ सर्वेक्षण दु हज़ार बाइस,अब दुर्ग ह मैदान में आइस के तहत दुर्ग शहर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने आज वार्ड 05 आमा तालाब क्षेत्र और विवेकानद स्कूल के आस पास पहुचकर निरीक्षण किया। निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने सुबह वार्ड 05 की साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पैदल पूरे वार्ड में भ्रमण किया और निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने कहा वार्ड के समस्त नालियों की साफ-सफाई, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन,कचरा कलेक्शन गीला सूखा के अलावा सेनेटरी/ हजाडियस अपशिष्ट अलग-अलग लेने के लिए निर्देशित किया गया एवं जीवीपी पॉइंट हटाकर वहां सौंदर्यकरण कार्य कराने हेतु निर्देशित किया गया

साफ-सफाई एवं नालियों के गहराइयों से निरन्तर साफ सफाई करें

स्वच्छता अभियान में सहयोग देने हेतु इच्छुक व्यक्ति, सीनियर सिटीजन, एनजीओ, प्रतिष्ठित नागरिक स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान के मोबाइल 7746015450 से संपर्क कर हमसे जुड़ सकते है। आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा डोर टू डोर कचड़ा की उठाव और सूखा गीला कचरा को सुचारू रूप से अलग करने की डोर-टू-डोर कचरा संग्रह करने पर विस्तृत रूप से हो, साथ ही स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर प्रचार प्रसार करने और जनता में जागरूकता पैदा करने पर भी ध्यान देने की बात कही।आयुक्त ने कहा शहर की स्वच्छता का बीड़ा उठाने वाली स्वच्छता दीदियों की लगन और मेहनत का सुखद परिणाम है कि दुर्ग का नाम देश और पूरे प्रदेश में फैल रहा है,इस ख्याति को बरकरार रखने एवं दुर्ग शहर को अव्वल के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 निगम की तैयारी शुरू भ्रमण के मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दीवान,जावेद अली, पीआईयू शेखर वर्मा, सुरेश भारती,जवबीर सिंह भुवाल, राजू सिंह संकेत वार्ड सुपरवाइजर मौजूद थे।

CHANGE OF NAME

I, Gopinath kurup. N.P., S/o late Padmanbha kurup, R/o. MIG-1/249 Hudco, Amdinagar, Bhilai (CG) have changed my name as N.P. Gopinath kurup by virtue of an affidavit dated 30/11/2021 and henceforth I will be known as N.P. Gopinath kurup for all purposes.

महिलाओं ने रैली निकालकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

भिलाईनगर/नवप्रदेश। 20 दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए आज से जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई। भिलाई के सुपेला, आकाशगंगा, पॉवरहाउस, सेक्टर 06 जैसे बड़े बाजार जहां लोगों की आवाजाही होती है वहां एनयूएलएम की महिलाएं हाथों में बैनर लेकर नारो के साथ चुनाव में निष्पक्ष मतदान करने की अपील किए। भिलाई निगम के जोन 01, जोन 02,03,04 और जोन 05 क्षेत्र में आज लोगों के बीच पहुंचकर स्वंय, अपने परिवार और रिश्तेदारों को मतदान को अपना नैतिक कर्तव्य बताते हुए मतदान करने जागरूकता संदेश दिया गया। एनयूएलएम के फणीन्द्र बोस ने बताया कि आगामी निकाय चुनाव जिसके लिए 20 दिसंबर को मतदान किया जाना है उसमें सौ फीसदी मतदान के लिए आज राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की महिलाओं के समूह ने निगम क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर बैनर पोस्टर के रैली निकालकर सभी को अनिवार्य रूप से मतदान करने जागरूक किए। रैली में जोन 01 क्षेत्र के आकाश गंगा, सब्जी मंडी।

निर्वाचन हेतु व्यय प्रेक्षक और लाइजनिंग ऑफिसर नियुक्त

दुर्ग। निर्वाचन 2021 के संचालन के लिए व्यय प्रेक्षक नियुक्त किए जाने के उपरांत जिले में नियुक्त हुए व्यय प्रेक्षक को आवश्यक जानकारी व सुविधाएं प्रदान करने हेतु लाइजनिंग ऑफिसर की नियुक्ति कर संबंधित व प्रेक्षक के निर्देश में कार्य करने हेतु नियुक्ति किया गया है । नगर पालिक निगम भिलाई हेतु व्यय प्रेक्षक पूषण कुमार साहू संयुक्त संचालक दूरभाष क्रमांक 77240-95419, लाइजनिंग ऑफिसर दीपक कामनवार सहायक लेखा अधिकारी दूरभाष क्रमांक 87706-79350, नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा हेतु व्यय प्रेक्षक महेश कुमार साकल्ले संयुक्त संचालक दूरभाष क्रमांक 94060-04280, लाइजनिंग ऑफिसर अशोक कुमार राठौर सहायक संचालक दूरभाष क्रमांक 94225-47635, नगर पालिक निगम रिसाली हेतु व्यय प्रेक्षक नित्यानंद सिन्हा वरिष्ठ लेखाधिकारी दूरभाष क्रमांक 83193-25602, लाइजनिंग ऑफिसर एस के सोनी सहायक संचालक दूरभाष क्रमांक 98274- 69607, नगर पालिका परिषद जामुल और नगर पंचायत उतई हेतु व्यय प्रेक्षक लारेंस तिर्की उपसंचालक दूरभाष क्रमांक 80850-52948।

आम सूचना

सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा स्व. सरस्वती देवी देवांगन पति शंभ्भू प्रसाद देवांगन पता-बी/1/16 चौहान टाउन जुनवानी भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. की रहने वाली हूं। कि मेरी पक्षकारा का वास्तविक नाम सरस्वती देवांगन पति स्व. शम्भू प्रसाद देवांगन है। परंतु कई दस्तावेजों में सरस्वती देवी लिखा है वही सही नहीं है। इसलिए भविष्य में मेरी पक्षकारा को सरस्वती देवांगन के नाम से जानी व पहचानी जावें। मेरी पक्षकारा सरस्वती देवांगन के नाम से हस्ताक्षर करती व कार्य करती है। तदनुसार यह सूचना सर्व जनता के लिए प्रकाशित किया जाता है।

शपथकर्ता
अमर चोपड़ा
अधिवक्ता
एच 7 आदर्शनगर दुर्ग
मो. 9827113412

नाम परिवर्तन करने की सूचना

सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि मै कृष्णा कुमार आ. सीता राम चन्द्रम के नाम से जाना व पहचाना जाता था वर्तमान में मै अपना नाम पर्विर्तीत कर अपने पूर्व के आगे उपनाम का उपयोग करता हूँ जिससे मै अब मै कृष्णा कुमार पद्मशाली आ. सीता राम चन्द्रम के नाम से समाज व परिवार में जाना व पहचाना जाता हूं तथा मेरे शासकीय व अशासकिय दस्तावेजो में भी कृष्णा कुमार पद्मशाली आ. सीता राम चन्द्रम का उपयोग करता हूं व जाना पहचाना जाता हूं अतः मुझे कृष्णा कुमार पद्मशाली आ. सीता राम चन्द्रम के नाम से जाना पहचाना जावे।

दुर्ग
दिनांक 30.11.21

कृष्णा कुमार पद्मशाली
आ. सीता राम चन्द्रम
निवासी-54 हनुमान नगर दुर्ग (छ.ग.)
मोबाईल नं.-9827172612

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202111100400162

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका जयश्री वर्मा पति भास्कर वर्मा निवासी- मरोद सेक्टर भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1005/9 रकबा 0.02 हे. 2131 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 17.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202111100400162

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक रामु कुमार देवांगन आ. अलख राम देवांगन निवासी-गुरेदा गुण्डरदेही द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 219/32 रकबा 0.0150 हे. 1650 हे. 1650 आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला

क्र 20211109220O125/20211109220O125
विषयः ब-121 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

डोंगरगढ़ प.ह.न. 00025 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार
रामआसरा,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक रामआसरा आ. घुरसिंग जाति कुमार निवासी कुम्हारा पारा डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांगांव के द्वारा स्वयं के माँ मंगलीन बाई पति घुरसिंग का मृत्यु दिनांक 03.05.2010 को स्थान डोंगरगढ़ में हुआ है के नाम से मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 06.12.2021 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

प्रतिलिपि :- आवेदक रामआसरा आ. घुरसिंग जाति कुम्हार निवासी कुम्हार पारा डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव ईश्तहार का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र में कराकर एक प्रति इस न्यायालय में पेश करे।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/11/2021 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
डोंगरगढ़

न्यायालय नजूल जांच अधिकाी, दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-20(3) वर्ष 2021-22

आवेदक अभिषेक बाजपेयी आ. स्व. मुरली मनोहर बाजपेयी निवासी ब्राम्हण पारा वार्ड नं. 32 दुर्गा मंदिर चौक दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्रं. 29 सी प्लाट नं. 35/3 रकबा 46 वर्गमीटर भूमि धारक मुरली आ. श्यामलाल के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक मुरली मनोहर की मृत्यु दिनांक 31.03.2021 को एवं उनकी पत्नि श्रीमती अरूणा बाजपेयी की मृत्यु दिनांक 10.08.2015 को हो चुकी है, मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। मृतक धारक का एकमात्र वारिसान पुत्र आवेदक है, इसके अतिरिक्त अन्य वारिसान नहीं है। आवेदक द्वारा मृतक धारक का नाम विलोपित कर स्वयं के नाम पर फौती नामान्तरण किए जाने तथा शेष सहधारकों का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 15.12.21 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सके हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर
नजूल जांच अधिकारी,
दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषण-पत्र

रा.प्र.क्रं./202110100700348
अ-6/2021-22

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका काकोली जाना पति सुशांत जाना निवासी ग्राम ब्राम्हण पारा दुर्ग तह. दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 757/27 रकबा 0.010 हे. भूमि को विक्रेता रामजी सिन्हा पिता/पति खंझरराम सिन्हा निवासी ग्राम गयानगर दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 09/07/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 08/12/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/11/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 16/10/21
पेशी दिनांक 08/11/21

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पं.नं. 202110100400528

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अवेन्द्र कुमार साहू आ. फकीर राम साहू निवासी- पाऊवारा द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1006/23 रकबा 0.018 हे. 1925 आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 28.10.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन-01, सिरपुर भवन व्यावसायिक परिसर, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी वीरसावरकर नगर हीरापुर रायपुर में निर्मित एम.डी. योजना में से भवन/भूखण्ड क्र. एम.डी.-137 स्लाईस-3 में (1) श्री विद्या नायक पिता श्री गंगा राम नायक, एवं (2) श्रीमती अहिल्या नायक पिता श्री विद्या नायक के संयुक्त नाम पर एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। मूल आबंटी द्वारा दिनांक 31.07.2018 को विक्रय विलेख निष्पादित करा लिया गया है। मूल आबंटी श्री विद्या नायक की मृत्यु 17.06.2021 एवं श्रीमती अहिल्लया नायक की मृत्यु दिनांक 01.11.2021 तथा उनके द्वारा घोषित नॉमिनी में तृतीय नॉमिनी सुश्री चंचला नायक की मृत्यु दिनांक 27.07.2021 को हो जाने के कारण वारिस श्री दिनबंधु नायक पिता स्व. श्री विद्या नायक द्वारा उक्त भवन/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, वारिसों (श्री महेन्द्र नायक पिता स्व. श्री विद्या नायक) का सहमति पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड श्री दिनबंधु नायक पिता स्व. श्री विद्या नायक के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय, अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.323/2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि भक्तमाता कर्मा वार्ड क्रं. 67 स्थित भवन भूमि क्रं. ए-120, ए-121 ख.नं. 179/13-14 के भाग पर स्थित जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती मेसर्स स्टार वैली बिल्डर्स इंडिया के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती सागर सिंह ठाकुर पिता मान सिंह ठाकुर ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषण-पत्र

अ-6/2021-22

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुश मनहरे पिता अजय मनहरे निवासी ग्राम सिद्धार्थ नगर दुग तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 495/6 रकबा 0.0220 हे. भूमि को विक्रेता प्रिती पाण्डे व अन्य पति मनीष पांडे निवासी ग्राम सुभाष नगर से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 15/11/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 13/12/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/11/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 27/11/21
पेशी दिनांक 13/12/21

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.325/2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड क्र. 42 स्थित भवन/भूमि D-000259 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती खोरबहरीन बाई w/o स्व. रामाधार देवांगन के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती गजेन्द्र कुमार देवांगन s/o स्व. रामाधार देवांगन ने शपथ पत्र, सहमति पत्र, मत्यु प्रमाण पत्र ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202111100400257

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका आर्ची शर्मा आ. सुनील कुमार शर्मा निवासी-न्यू खुर्सीपार भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 600/50 रकबा 0.0100 हे. 1125 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202111101000123/202111101000123
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

जामुल प.ह.न. 00018 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
श्रीमती डीलेश्वरी वर्मा/ अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिक श्रीमती डीलेश्वरी वर्मा पिता/पति/विभाग-श्री जगदीश प्रसाद वर्मा पता-बालाघाट द्वावारा ग्राम-जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.म. जामुल तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 1023/1 रकबा 700 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विक्रेता श्रीमती कान्ति बाई पति नन्द कुमार पाण्डेय से क्रय किये जाने के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को उजर दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 13.12.2021 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र /ब-121 वर्ष 2020 -21

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मीनाक्षी सांडेकर ध.प. राजेन्द्र सांडेकर पता-सिद्धार्थ नगर, हरिजन पारा, वार्ड क्रं. 34 दुर्ग तह. व जिला दुर्ग द्वारा सन् 1984 में निवास हेतु पट्टा प्रदान किया गया है। जिसका भूखण्ड क्रं. 94 खं. नं. 536/1 रकबा 34.20 वर्गमी. (9.50*3.60)= 368 वर्गफीट भूमि जो पट्टे की भूमि है एवं आवेदिका द्वारा लगभग 63.25 वर्गफीट भूमि पर अतिरिक्त कब्जा कर कुल 431.25 वर्ग फीट भू-भाग पर पक्का निर्माण निर्मित कर कई वर्षो से निवासरत है। जिसे आवेदिका के नाम पर नियमितीकरण कर भूमिस्वामी हक प्रदान किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया है।

अतएव् इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 15/12/21 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 30.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार नजूल
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202111101000083/202111101000083
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
श्रीमती कंचन वर्मा, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक-श्रीमती कंचन वर्मा पति राजेश वर्मा, निवासी, सेक्टर 04 भिलाई, द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.नं. 19, रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 4579/7 कुल रकबा 0.1970 हे./ में से रकबा 1290 वर्गफीट, भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 24/09/2021 को विक्रेता-श्रीमती एम शंति पति एम.व्ही.राव, निवासी-कुरूद रोड साकेत नगर भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो सुनवाई तिथि दिनांक 10.12.2021 तक या उसकेपूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202111101000124/202111101000124
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

जामुल प.ह.न. 00018 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
वर्तिका पांडेय, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका वर्तिका पांडेय पिता/पति/विभाग- अशोक कुमार पाण्डेय पता-जामुल द्वारा प.ह.नं. 18 रा.नि.म. जामुल तहसील व जिला दुर्ग स्थित ख.नं. 466/11, 467/11 रकबा 820 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विक्रेता सिद्धेश्वर सोनी पिता गुलाम सोनी क्रय किये जाने के आधार पर अपने नाम नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति-संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.12/2021 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202111101000125/202111101000125
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

जामुल प.ह.न. 00018 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
श्रीमती संध्या पाण्डेय, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संध्या पाण्डेय पिता/पति/विभाग-अशोक कुमार पाण्डेय पता-जामुल द्वारा ग्राम-जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.म. जामुल तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 466/11 शामिल 467/11 का टू. रकबा 390 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विक्रेता सिद्धेश्वर सोनी पिता गुलाम सोनी क्रय किये जाने के आधार पर अपने नाम नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति-संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.12/2021 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला

क्रमांकः20211010090O031/20211010090O031
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

सांकरा प.ह.न. 00008 (117/2(0.004)(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
तुषार अग्रवाल / अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम सांकरा प.ह.नं.8 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक तुषार अग्रवाल पिता स्व. मधुर मूर्ति अग्रवाल निवी सिटी हार्ट रेडीडेंसी कैलाश विहार कैलाशपुरी रायपुर तहसील व जिला रायपुर द्वारा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 8 तहसील पाटन स्थित भूमि स्वामी रायपुर हाउसिंग एण्ड डेवलपमेंट प्रा.लि. द्वारा डायरेक्टर कौस्तुभ मिश्रा पिता बी एम मिश्रा अन्य के नाम दर्ज परिवर्तित भूमि ख.नं. 20 व 117/2 का टूकड़ा प्लाट नं. 6 साई सिटी रकबा 80 वर्गफूट 74.34 वर्गमीटर को पंजीकृत बैनामा दिनांक 13.04.2018 को क्रय आधार पर प्रमाणिकरण किये जाने हेतु सहित आवेदन प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अतः आवेदक तुषार अग्रवाल पिता स्व. मधुर मुर्ति अग्रवाल द्वारा पंजीकृत बैनामा से उपरोक्त दर्शित भूमि क्रेता के नाम नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो अपने लिखित आपत्ति प्रकरण से सुनवाई तिथि 30.11.2021 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 9.11.2021 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार पाटन
जिला-दुर्ग, (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.324/2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वामन राव लाखे वार्ड क्र. 66 स्थित भवन/भूमि RPR66HH00039 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती दर्शन श्रीवास्तव W/O श्री रतन सिंह ठाकुर के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती मीरा देवी बाचुका W/O स्व. सज्जन कुमार बाचुका ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषण-पत्र

अ-6/21-22

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र कुमार देशमुख पिता राधेलाल देशमुख निवासी ग्राम बिरेतरा तहसील गुण्डरदेही जिला बालोद के द्वारा गाम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15000 का टुकड़ा रकबा 1420 वर्गफीट भूमि को विक्रेता पार्टनर विश्वास गुप्ता पिता/अशोक गुप्ता निवासी ग्राम पोटियारोड बोरसी से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 23/11/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 13/12/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27/11/21 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक 27/11/21
पेशी दिनांक 13/12/21

मुहर
तहसीलदार
दुर्ग

कार्यालय राजस्व निरीक्षक कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.)

आम-सूचना

विषय :- सीमांकन बाबत्।

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कि तहसीलदार के आ.क्रं. 506 दिनांक 23/9/2021 के पालन में ग्राम कसारीडीह प.ह.नं. 25 'अ' भूमि स्वामी श्रीमान पवन कुमार जेने पिता चम्पालाल जेने निवासी मैथिल पारा दुर्ग द्वारा आवेदित ग्राम कसारीडीह स्थित भूमि खसरा नंबर 217/20, 218 रकबा 0.002, 0.024 हे. जिसकी सीमा उत्तर में रास्ता दक्षिण में कागीरथी पूर्व में विकास तथा पश्चिम में इन्द्र कुमार है। उक्त में खसरा नं. का सीमांकन दिनांक 09/12/2021 को पूर्वान्हे/अपरान्ह 12.00 से 5.00 बजे किया जावेगा। किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त खसरा नंबर की भूमि में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्व अर्जन के वैध दस्तावेज नक्शा, खसरा ले-आऊट तथा रजिस्ट्री प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते है। तत्पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

जारी दिनांक 23/11/21

राजस्व निरीक्षक
कसारीडीह

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202111101000125/202111101000125
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

जामुल प.ह.न. 00018 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार -
श्रीमती संध्या पाण्डेय, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती संध्या पाण्डेय पिता/पति/विभाग-अशोक कुमार पाण्डेय पता-जामुल द्वारा ग्राम-जामुल प.ह.नं. 18 रा.नि.म. जामुल तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 466/11 शामिल 467/11 का टू. रकबा 390 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विक्रेता सिद्धेश्वर सोनी पिता गुलाम सोनी क्रय किये जाने के आधार पर अपने नाम नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त भूमि का नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति-संस्था को उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.12/2021 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26.11.2021 को जारी किया जाता है।

अति. तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका श्रीमती रिम्पी शर्मा पति श्री राकेश शर्मा, उम्र 31 वर्ष, निवासी क्वा. नं. 4 ई सड़क नं. 83 सेक्टर-6 भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. की हूं। मेरा विवाह दिनांक 4/12/2011 को श्री राकेश शर्मा पिता श्री मुनीब लाल शर्मा के साथ सम्पन्न हुआ है। मेरे समस्त शैक्षणिक प्रमाणपत्रों एवं भूराजस्व अभिलेखों में मेरा नाम कुमारी रिम्पी विश्वकर्मा पिता श्री शिवलाल विश्वकर्मा दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे विवाह के पश्चात से ही मेरा नाम रिम्पी शर्मा पति श्री राकेश शर्मा हो गया है और मुझे अब इसी नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाता है। मेरे भविष्य के समस्त शासकीय अर्धशासकीय एवं अन्य प्रमाण पत्रों में मै अपना नाम रिम्पी विश्वकर्मा के स्थान पर श्रीमती रिम्पी शर्मा पति श्री राकेश शर्मा एवं पिता श्री शिवलाल विश्वकर्मा दर्ज करवाना चाहती हूं। जिसके लिए मैं छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन करवाना चाहती हूं। जिसके बाबत सारी विधिक कार्यवाही मेरे द्वारा पूर्ण हो गई है। आज दिनांक के पश्चात से मुझे श्रीमती रिम्पी शर्मा पति श्री राकेश शर्मा एवं पिता श्री शिवलाल विश्वकर्मा के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जावें।

मुहर
शपथकर्ती
श्रीमती रिम्पी शर्मा

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र- //अ-20 (1)/ वर्ष 2021 -22

आवेदिका सीता सोनी पति प्रकाश चंद सोनी निवासी शिवपारा दुर्ग मोहल्लर शिवपारा नजूर शीट क्रमांक 29 सी भूखण्ड क्रमांक 327/2 क्षेत्रफल 20.24 वर्गमीटर आवासीय/ व्यवसायिक भूखण्ड स्थाई नजूल पट्टे पर उन्हे प्राप्त है जिसकी पट्टा अवधि 31/3/2002 है। छ.ग. शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन मंत्रालय रायपुर के पत्र क्रमांक एफ 04-07/ 7-1/2019 दिनांक 11/9/2019 एवं 26/10/19 में जारी निर्देशों के अनुक्रम में धारक / पट्टेटार द्वारा शासन के शर्तो के अनुरूप उक्त भूखण्ड का भूमिस्वामी अधिकार प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतएव् एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्तिया दावा हो प्रकरण की सुनवाई 10/12/21 या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या जिस भूखण्ड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर
नजूल अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद कुमार वर्मा पिता/पति भवाना शंकर वर्मा निवासी अनुष्का रेसिडेंसी जुनवानी तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रयशुदा भूमि ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 15/53 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 60/33 रकबा 0.020 हे. मे से 2400 वर्गफीट भूमि को दानपत्र के आधार पर दानकर्ता भवानी शंकर वर्मा पिता स्व. उमेद सिंह के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 15.12.2021 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

समक्षः- श्रीमान कार्यपालिक दण्डाधिकारी महोदय दुर्ग, जिला, दुर्ग (छ.ग.)

शपथपत्र

मैं शपथकर्ता अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) पिता स्व.सुग्रीव प्रसाद शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी- 735, सी मार्केट, सेक्टर-06, भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)490006 का रहने वाला हूँ, जो कि निम्न कथन शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ कि :- 1. यह कि मेरे नाम व पता उपरोक्तानुसार है। 2. यह कि मेरी पुत्री नितिका शर्मा (Neetika Sharma) की जन्म तिथि 07/11/2008 है जो कि सत्य एवं सही है। 3. यह कि मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक अंकसूची एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम (पिता का नाम)अविनाश एस.शर्मा (Avinash S. Sharma) एवं माता का नाम (पत्नी का नाम)श्रीमती नीता एस.शर्मा (Neeta S. Sharma), दर्ज है। 4. यह कि मेरे नाम से आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा सही एवं वास्तविक नाम अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) है जो कि सत्य एवं सही है। 5. यह कि मेरी पत्नी नाम से आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें उसका सही एवं वास्तविक नाम श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) है जो कि सत्य एवं सही है। 6. यह कि अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) एवं अविनाश एस.शर्मा (Avinash S. Sharma) दोनों नाम मेरा ही है किसी अन्य व्यक्ति का नाम नहीं है। 7. यह कि श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) एवं श्रीमती नीता एस.शर्मा (Neeta S. Sharma) दोनों नाम मेरा एक ही महिला के है किसी अन्य महिला का नाम नहीं है। 8. यह कि गजट प्रकाश में मेरा नाम (पिता का नाम) अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) एवं माता का नाम (पत्नी का नाम)श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) दर्ज करवानें के समर्थन में शपथपत्र श्रीमान सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :- शपथकर्ता

मैं शपथकर्ता अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) पिता स्व. सुग्रीव प्रसाद शर्मा, उम्र 50 वर्ष, निवासी- 735, सी मार्केट, सेक्टर-06, भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)490006 यह सत्यापित करता हूँ कि शपथपत्र कर कंडिका 01 से 08 तक की दी गई जानकारी सत्य व सही है। अतः आज दिनांक 12/11/2021 को अपना हस्ताक्षर किया।

पहचानकर्ता — शपथकर्ता

आम सूचना

समक्षः- श्रीमान कार्यपालिक दण्डाधिकारी महोदय दुर्ग, जिला, दुर्ग (छ.ग.)

शपथपत्र

मैं शपथकर्ती श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) पति श्री अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) उम्र 46वर्ष , निवासी-735, सी मार्केट, सेक्टर-06, भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 490006 की रहने वाली हूँ, जो कि निम्न कथन शपथपत्र प्रस्तुत कर रही हूँ कि :- 1. यह कि मेरे नाम व पता उपरोक्तानुसार है। 2. यह कि मेरी जन्म तिथि 09/06/1975 है जो कि सत्य एवं सही है। 3. यह कि मेरे नाम से आधार कार्ड जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) दर्ज है जो कि सत्य एवं सही है। 4. यह कि मेरे नाम से बैंक खाताए एम.फिल.अंकसूची एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम श्रीमती नीता एस.शर्मा (Neeta S. Sharma)दर्ज है। 5. यह कि श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) एवं श्रीमती एस.शर्मा (Neeta S. Sharma) दोनों नाम मेरे ही है किसी अन्य महिला का नाम नहीं है। 6. यह कि गजट प्रकाश में मेरा नाम श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) दर्ज करवाने के समर्थन में शपथपत्र श्रीमान सक्षम अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापनः- शपथकर्ता

मैं शपथकर्ता श्रीमती नीता अविनाश (Neeta Avinash) पति श्री अविनाश स्वरुप शर्मा (Avinash Swaroop Sharma) उम्र 46 वर्ष, निवासी- 735, सी मार्केट , सेक्टर-06, भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)490006 यह सत्यापित करती हूँ कि शपथपत्र कर कंडिका 01 से 06 तक की दी ÷ई जानकारी सत्य व सही है। अतः आज दिनांक 12/11/2021 को अपना हस्ताक्षर की।

पहचानकर्ता — शपथकर्ता

रेसिडेंट्स डॉक्टरों की हड़ताल जारी, जल्द हो सकती है इमरजेंसी सेवा बंद

रायपुर/नवप्रदेश। रेसिडेंट्स डॉक्टरों की हड़ताल चौथे दिन मंगलवार को भी जारी रही। हड़ताल के दौरान पहले दिन से ही ओपीडी बंद है। अब ऑपरेशन थियेटर को भी बंद कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने सरकार को चेतावनी दी है कियदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आने वाले समय में इमरजेंसी सेवा भी बंद किया जाएगा। नीट काउन्स डिले होने पर पूरे देश में डॉक्टरों की हड़ताल की गई।

गौरतलब है कि नीट पीजी की काउंसलिंग नहीं होने के विरोध में फेडरेशन ऑफ रेसिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने 27 नवंबर से पुरे देशभर में हड़ताल शुरू कर दिया है। जिसका असर छत्तीसगढ़ में भी पड़ा है। हड़ताल कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि कोरोना की तीसरी लहर का खतरा देश में मंडरा रहा है, ऐसे में नए डॉक्टरों की भर्ती नहीं होने से फिर से दूसरे लहर जैसी हालात बन सकते हैं।

दरअसल, नीट पीजी काउंसलिंग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सरकार ने नीट पीजी में 27 फीसदी ओबीसी और 10 फीसदी आपक्षण आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को देने का फैसला लिया था, जिसे कुछ मेडिकल छात्रों ने चुनौती दी है। छात्रों ने नीट पीजी में ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग को आरक्षण की वैधता को चुनौती दी गई है। छात्रों का कहना है कि निम्न आय वर्ग की परिभाषा में 8 लाख रुपये तक सालाना आय के लोगों को रखना मनमाना फैसला है। इस मुद्दे पर कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है।

डॉक्टर साधना दुबे ने बताया हमें किसी भी प्रकार की तारीख पर तारीख नहीं चाहिए। हमें सिर्फ और काउंसलिंग चाहिए,जबकि रिजल्ट आए 15 माह बीत चुका है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है. कोर्ट ने भी अगली सुनवाई 5 जनवरी को दी है और उसके बाद आगे की कब डेट मिल जाए, ये भी नहीं पता एक और डेट कब मिल जाए। डॉ.साधना ने कहा कि डॉक्टरों की कमी है दूसरी ओर काउंसलिंग नहीं होने से नए बैच नहीं आ रहे है तो मरीजों को दिक्क्तों का सामना तो करना ही पड़ेगा। नए बेच नहीं आने से हम लोगों पर भार डबल हो गया है, पिछले एक साल से दबाव के बीच काम कर रहे हैं हम लोग भी मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं और व्यवस्था भी चरमरा गई है। छत्तीसगढ़ में लगभग 400 पीजी डॉक्टर हड़ताल में है। अस्पतालों में सेवा बंद करने से मरीज परेशान है।

छत्तीसगढ़ में अलर्ट जारी, विदेश यात्रियों के लिए नए नियम जारी

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर राज्य में भी अलर्ट जारी हो गया है। देश में विदेश यात्रा से लौटने वाले यात्रियों को अब नए नियमों का पालन करना आवश्यक होगा। केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के बाद प्रदेश में भी सावधानी बरती जा रही है। रायपुर एयरपोर्ट में दूसरे देशों की लाइटों का संचालन अभी नहीं होता है लेकिन फिर भी गाइडलाइन का पालन किए जाने की तैयारी की जा रही है। विदेश से लौटने वाले यात्रियों को इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अपनी यात्रा का विवरण देना होगा। सारी गाइडलाइन को पालन करने के बाद ही वह अपने घर पहुंच पाएंगे। यात्रियों को सात दिन निगरानी में रखा जाएगा। साथ ही आरटीपीसीआर टेस्ट भी कराई जाएगी। निगेटिव आने पर वह सामान्य रूप से घर पर रह सकेंगे वहीं अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो उन्हें अस्पताल में अपना इलाज कराना होगा।

नए वेरिएंट को लेकर स्वास्थ्य मंत्री कीअपील: कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने चिंता जाहिर की है। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें, मास्क लगाएं और सोशल डिस्टेंस का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि कोरोना पूरी तरह से गया नहीं है। राज्य के बाहर से आ रहे हैं तो टेस्ट जरूर कराएं। वहीं देश से बाहर से आ रहे हैं तो होम आइसोलेशन और लक्षण रहे या न रहे जांच जरूर कराएं। उन्होंने कहा कि बगैर लक्षण के भी कोरोना संक्रमण सम्भव है।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर चिंता ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह कितना खतरनाक हो सकता है? संक्रमण फैलने का गति कितना है? अभी यह सब स्पष्ट तौर पर कहा नहीं जा सकता, लेकिन जो प्रोटोकॉल का पालन करेगा वही सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने सावधानी बरतने पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने प्रोटोकॉल जारी कर दिया है।

हाट-बाजारों में लग रहे स्वास्थ्य शिविरों से अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रही है स्वास्थ्य सुविधा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सबको स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में और दूर दराज के दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना संचालित है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों में आये ग्रामीणों का इलाज करने के लिए जिला अस्पतालों से मोबाईल क्लीनिक लगाई जाती है, जिसमें चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफचिकित्सा उपकरणों एवं दवाईयां लेकर जाते हैं और चिकित्सकों के परीक्षण के उपरांत मरीज का इलाज एवं जरूरी दवाएं दी जाती है और जरूरत पड़ने पर मरीज को दूसरे अस्पताल में रिफर किया जाता है। प्रदेश में 14 लाख 86 हजार 238 से ज्यादा मरीजों का इलाज हाट बाजार क्लीनिकों में किया जा चुका है। बिलासपुर जिले में भी इस वर्ष अब तक 24 हाट-बाजारों में 426 मोबाइल क्लीनिक लगाकर लगभग 53 हजार 953 ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की गई है। जिसमें 26 हजार 152 महिलाएं और 27 हजार 801 पुरूष शामिल है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के तहत जिले में आवश्यकता अनुरूप तथा गांवों से स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी के आधार पर 24 हाट बाजारों का चिन्हांकन किया गया है। प्रत्येक हफ्ते डेडिकेटेड टीम के माध्यम से इन हाट बाजारों में आने वाले ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उन्हें आवश्यक उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर को, होंगे कई आयोजन

रायपुर। प्रदेश में 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति समाज में सकारात्मक वातारण और दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से कई आयोजन किए जाएंगे। सभी जिलों में समारोह, सेमीनार, जागरूकता शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजन को मुख्यधारा में लाने के प्रयास होंगे। समाज कल्याण संचालनालय द्वारा सभी कलेक्टरों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आयोजन के दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी नियमों का पालन करने कहा गया है।

एसईसीएल मुख्यालय के सेवानिवृत्त कर्मियों की भावभीनी विदाई

बिलासपुर। एसईसीएल से सेवानिवृत्त होने वाले 5 कर्मियों को मंगलवार को भावभीनी विदाई दी गयी। उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पहार से सम्मानित कर समस्त भुगतान का चेक प्रदान किया गया। मुख्यालय प्रशासनिक भवन के सीएमडी बोर्ड रूम में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ए.पी. पण्डा के मुख्य आतिथ्य, निदेशक तकनीकी (संचालन) एम.के. प्रसाद, निदेशक (वित्त सह कार्मिक) एस.एम. चौधरी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) एस.के. पाल की मौजूदगी में तन्नुलाल चक्रवर्ती महाप्रबंधक (उत्खनन), मदन मोहन पाठक महाप्रबंधक (उत्खनन), व्ही. सूर्यनारायण वरीय प्रबंधक (माईनिंग) औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग, देवेन्द्र प्रकाश तिवारी कार्यालय अधीक्षक एसईसीएल सेल भोपाल कार्यालय, रामबली तिवारी सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गयी।

चिटफंड कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार एक भगोड़े डायरेक्टर की खोजबीन जारी

रायपुर/नवप्रदेश। बलौदा बाजार जिले में स्थित चिटफंड कम्पनी गरिमा रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी डायरेक्टर बालकिशन को सोहेला से गिरफ्तार किया गया है। अब उससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

आरोपी बालकिशन पर बलौदा बाजार से 2 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप है। गरिमा रियल एस्टेट कंपनी ने करीब 7 हजार से ज्यादा निवेशकों को निशाना बनाया था। कम्पनी के दो डायरेक्टर अभी भी फरार बताये जा रहे हैं।

बलौदा बाजार में चिटफंड की यह आठवीं कार्रवाई है। सोहेला थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। डायरेक्टर की संपत्ति की जानकारी ली जा रही है ताकि कुर्की कर निवेशकों का पैसा लौटाया जा सके।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर चिटफंड कंपनियों पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में प्रदेश के सभी जिलों में कार्रवाई में तेजी लाए जाने के कारण लगातार चिटफंड कपनियों के डायरेक्टरों और संचालकों की धरपकड़ जारी है।

राजनांदगांव में भी एक डायरेक्टर गिरफ्तार

राजनांदगांव में भी चिटफंड के एक डायरेक्टर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी चिटफंड कंपनी का सेल्स मैनेजर है। निवेश के नाम पर कम्पनी ने 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। राजनांदगांव में करीब 9 करोड़ से ज्यादा की राशि सरकार ने निवेशकों को लौटाई है।

मध्यान्ह भोजन योजना अंतर्गत कुकिंग कास्ट एवं रसोईया मानदेय का भुगतान अब पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम से होगा

रायपुर। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण जो पूर्व में मध्यान्ह भोजन योजना के नाम से जाना जाता था, के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा कुकिंग कास्ट और रसोईया मानदेय के लिए 309 करोड़ रूपए की राशि विकासखण्डवार जारी की गई है। इस राशि का भुगतान अब पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) के माध्यम से होगा। आयुक्त लोक शिक्षण डॉ. कमलप्रीत सिंह ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी निर्देश में कहा गया है कि मध्यान्ह भोजन का नाम बदलकर अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कर दिया गया है। इस योजना का संचालन केन्द्र और राज्य शासन के माध्यम से हो रहा है। भारत सरकार द्वारा की गई नई व्यवस्था के तहत अब प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के तहत जारी होने वाली राशि अब जिला शिक्षा अधिकारी और विकासखण्ड जिला शिक्षा अधिकारी के खाते में नहीं जाएगी। कुकिंग कास्ट और रसोईयों के मानदेय का भुगतान पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) के माध्यम से होगा।

भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ की प्रथम प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति 1 दिसंबर दोपहर 12:00 बजे भाजपा मुख्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पहली बैठक आयोजित की गई है। बैठक के उद्घाटन सत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, महामंत्री संगठन पवन साय व समापन सत्र में ब्रजमोहन अग्रवाल ,अजय चंद्राकर उपस्थित रहेंगे। झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक महेंद्र पंडित ने कहा यह सरकार गरीब के प्रत्येक हक पर कुठाराघात कर रही है । प्रधानमंत्री आवास योजना के लिस्ट जारी न होने के कारण लाखों लोगों के पक्के मकान का सपना अधूरा रह गया। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में पट्टे देने का वादा किया था । जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। केंद्र सरकार ने गरीबों की चिंता करते हुए अन्य योजना में 5 किलो चावल मुफ्त प्रदान करने की योजना मार्च तक बढ़ा दी है परंतु राज्य सरकार की एक भी योजना गरीब हितैषी नहीं है। इन सब बातों को लेकर कल कार्यसमिति में राजनीतिक प्रस्ताव लाया जाएगा। भविष्य में गरीबों के हक की लड़ाई के लिए आंदोलन की रूपरेखा बनेगी।

नगरीय प्रशासन मंत्री का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया एक दिसम्बर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सबेरे 10.30 बजे रायपुर से मंदिरहसौद जायेंगे। डॉ. डहरिया यहां सबेरे 11 बजे से दोपहर एक बजे तक धान खरीदी महोत्सव और भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे मंदिरहसौद से दोपहर एक बजे प्रस्थान कर रायपुर जिले के आरंग विकासखंड के ग्राम रीवां जायेंगे और यहां पर दोपहर 1.25 बजे से 3 बजे तक धान खरीदी एवं लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्यक्रम में भाग लेगें। इसके बाद वे ग्राम चंदखुरी जायेंगे और वहां पर भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद शाम 5.30 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

पशु चिकित्सक के सूने मकान में हुई थी चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर इलाके में रहने वाले पशु चिकित्सक के सूने मकान में चोरी करने वाले आरोपियों को रायपुर पुलिस के अधिकारियों ने पकड़ लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिसकर्मियों ने चोरी किया और सामान और नकद राशि बरामद की है। आरोपी पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों का नाम पुलिस द्वारा अखिलेश बंगोलिया और नारायण यादव बताया जा रहा है। आरोपी पर आगे की कार्रवाई पुलिसकर्मी कर रहे है।

ये दो आरोपी गिरफ्तार

अखिलेश कुमार बंगोलिया पिता हीरोल्ड बंगोलिया (28) निवासी पिरदा चौक, थाना विधानसभा, रायपुर और नारायण यादव पिता गुलाल यादव (18) निवासी सत्यम नगर, भाटापारा, सड्डू, थाना विधानसभा, रायपुर शामिल हैं.

यह है पूरा मामला

हैप्पी होम्स न्यू राजेंद्र नगर निवासी डॉ रामचंद्र रामटेके ने आरोपियों की शिकायत पुलिस में की थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया था, कि 21 नवंबर को घर में ताला लगाकर वो घूमने गए थे। देर शाम वापस लौटे, तो घर का ताला टूटा मिला। घर के सामान की जांच की तो अलमारी से लॉकर गायब था। चोर लॉकर के अलावा डीटीएच बाक्स और डीवीआर उखाड़ ले गए थे। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरु की और तकनीकी जांच के आधार पर विधानसभा इलाके में निवासरत आदतन चोर को पकड़ा। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में अपने साथी के साथ मिलकर वारदात करने की बात स्वीकारी है।आरोपी से सायबर सेल की टीम पूछताछ कर रही है।

भारत की इंदिरा नामक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

■ **पुराने कांग्रेस भवन में 11 दिनों तक चलेगी प्रदर्शनी**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस ने भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी के संपूर्ण जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी राजधानी स्थित पुराने कांग्रेस भवन में लगाई है। जिसका शुभारंभ छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी चंदन यादव, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम, रायपुर ग्रामीण के विधायक सत्यनारायण शर्मा, सहित कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित में की गई।

यह प्रदर्शनी 29 नवंबर से 9 दिसंबर तक 11 दिनों तक प्रदेशवासियों के लिए खुली रहेगी। चित्र प्रदर्शनी में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि इंदिरा गांधी की जो शख्सियत रही है, शायद भारत के इतिहास में और किसी ने ऐसी ऊंचाई हांसिल की। इस तरह एक झटके में 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीकरण अपने-आप में बड़ी घटना थी। इंदिरा गांधी के इस कदम ने आम नागरिकों का दिल जीत लिया। इसी तरह एक के बाद एक देशहित में दिए जा रहे उनके निर्णयों ने इंदिरा गांधी को उस मुकाम तक पहुंचा दिया तब जनसंघ के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें दुर्गा की उपाधि से नवाजा। यही वो समय था जब पाकिस्तान पर भारत की भारी भरकम जीत राष्ट्र के लिये गौरव का विषय बना। 1974 में भारत द्वारा पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षण ने इंदिरा गांधी का देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में बढ़ा दिया। इसके बाद 1975 में सिक्किम के भारत में विलय से उनकी छवि एक महान नेता की हो गई।

कलेक्टर ने जन चौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

बिलासपुर । कलेक्टर डॉ.सारांश मित्तर ने आज जन जनचौपाल में जिले के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं और मांगों के जल्द निराकरण के निर्देश दिए।

जनचौपाल में आज 35 लोगों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्याएं एवं मांग रखी। जनचौपाल में अकलतरी निवासी राजकुमार, ग्राम मड़ाई निवासी मोहन लाल साहू, गौरवपथ वार्ड न. 2 निवासी साधेलाल पात्रे, ग्राम बेड़ापाट के समस्त ग्रामीण, रतनपुर निवासी नन्हें राम माड़वा, बिटकुला निवासी रामाधार, खम्हरिया निवासी श्रीमती भद्रिका कौशिक, कुकदा निवासी छोटेलाल सूर्यवंशी, सरपंच धनगंवा, सहित अन्य लोगों ने मांग एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन दिया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए निर्देशित किया।

प्रदर्शन भाजपा महिला मोर्चा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, भूपेश सरकार के निर्णय पर जताई नाराजगी

रेडी टू ईट का कार्य महिला स्व सहायता समूह से कराने की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की एक प्रतिनिधिमंडल ने महिला स्व सहायता समूह के द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले रेडी टू ईट पोषण आहार का कार्य महिला समूह से छीन कर छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम को दिए जाने पर नाराजगी जताई। महिला मोर्चा ने स्व सहायता समूह से ही रेडी टू ईट चलाने की मांग को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

बीज निगम को दिए जाने का निर्णय: प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने महिला समूहों से उक्त कार्य छीनकर बीज निगम को दिए जाने का निर्णय लिया है, जिसका प्रमुख उद्देश्य एक कंपनी के साथ अनुबंधित निजी संस्था को लाभ देने व महिलाओं को आर्थिक रूप से चोट पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा भी आगंनबाड़ियों में पोषण आहार का कार्य स्व सहायता समूहों को दिए जाने के पूर्व में निर्देश भी दिए गए हैं। मगर सरकार की हठधर्मिता के कारण आज प्रदेश में न केवल न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना की जा रही है बल्कि प्रदेश की सशक्त हो रही महिलाओं को कमजोर करने व संस्था विशेष व उसके निजी भागीदार को फायदा पहुंचाने का कार्य कि या जा रहा है।

जिसके लिए भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की रायपुर शहर एवं रायपुर ग्रामीण के एक प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंप कर रेडी-टू-ईट आपूर्ति का कार्य महिला स्व सहायता समूहों को यथावत बनाए रखने प्रदेश सरकार को निर्देशित करे। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी सुश्री लता उसेंडी, सह प्रभारी उषा टावरी, प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत, ममता साहू, चंपादेवी पावले, विभा अवस्थी, किरण बघेल, सोना वर्मा, सरिता साहू प्रतिनिधि मंडल में शामिल हुए।

संपादकीय

माननीयों के निलंबन पर संग्राम

संसद का शीतकालीन सत्र इस बार भी हंगामों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। पहले दिन तीनों कृषि कानून लोकसभा और राज्यसभा में रद्द कर दिए गए इस दौरान विपक्ष ने इन रद्द किए गए कृषि कानूनों पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हगांमा किया। नतीजतन दोनों सदनों की कार्रवाही बाधित हुई। इस बीच पिछले संसद सत्र के दौरान जिन एक दर्जन माननीयों ने राज्यसभा में संसदीय मर्यादाओं को तार-तार किया था। उनके खिलाफ सभापति ने इस पूरे सत्र के दौरान निलंबन की कार्रवाही कर दी। इन माननीयों में आधा दर्जन राज्यसभा सदस्य कांग्रेस के और बाकी टीएमसी, शिवसेना और वामपंथी है। पिछले 11 अगस्त को संसद के आखरी दिन राज्यसभा में इन सांसदों ने जमकर हंगामा किया था। कागजात फाड़कर आसंदी उछाले थे और मार्शलों के साथ हाथापाई की थी। जिसकी जांच के लिए कमेटी बनाई गई थी और उस कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद सभापति ने इन दर्जन भर सांसदों को इस शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। माननीयों के निलंबन के कार्रवाई को लेकर अब संग्राम छिड़ गया है। विपक्ष का कहना है कि निलंबन की यह कार्रवाई अनुचित है। जबकि सभापति का कहना है कि वे इस तरह की कार्रवाई का अधिकार प्राप्त है। इस मुद्दे को लेकर आज राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी बात रखी और इन निलंबित सांसदों को अपना पक्ष रखने का अवसर देने की बात कही। लेकिन सभापति वेंकैया नायडू ने उनकी मांग को ठुकरा दिया बल्कि कड़ी फटकार भी लगाई और कहा कि लोकतंत्र की हत्या की गई थी। इसलिए इन सांसदों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई उचित है। इसके बाद फिर संसद में हंगामा हुआ और विपक्ष ने संसद परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने एकत्रित होकर नारेबाजी की। विपक्ष का कहना है कि निलंबित सांसद हरगिज माफी नहीं मांगेंगे। गौरतलब है कि यदि निलंबित सांसद माफी मांग लेते तो शायद उनके निलंबन को रद्द कर दिया जाता। लेकिन विपक्ष ने टकराव का रास्ता चुना है जिससे स्पष्ट है कि अब विपक्ष राज्यसभा सदस्यों के निलंबन को लेकर संसद में सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा जारी रखेगा और ऐसी स्थिति में संसद का शीतकालीन सत्र भी हंगामों की भेंट चढ़कर रह जाएगा।

विचार

सवा लाख की कीमत तक बिक गये हजारों गधे

पौराणिक नगरी चित्रकूट में दीपावली के अवसर पर मंदाकिनी तट पर लगने वाले गधे मेले में सवा लाख रूपये तक गधों की बोली लगायी गयी और हाथों हाथ नौ हजार गधे अपने नये मालिकों के साथ गंतव्य को रवाना हो गये। दीवाली मेले में चित्रकूट में धर्म और आध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों का बोलबाला रहता है वहीं गधा मेला भी लोगों के लिए कौतूहल का विषय होता है। कई प्रदेशों से हजारों की संख्या में आये विभिन्न नस्लों के गधों की खरीद फरोख्त के बड़े केंद्र के रूप में विकसित इस गधे मेले में विभिन्न दर काठियों के गधों को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटती है मन्दाकिनी नदी के किनारे लगने वाले गधे मेले में इस बार लगभग पंद्रह हजार गधे आये। अनेकों आकार प्रकार के इन गधों की कीमत दस हजार से लेकर 1.25 लाख रूपए तक रही। गधा व्यापारियों ने जांच परख कर इन जानवरों की खरीददारी की। दो दिनों के दौरान करीब नौ हजार गधे बिक गए जिससे इस मेले में करीब 20 करोड़ रुपयों का कारोबार हुआ। गौरतलब है कि मंदाकिनी नदी के किनारे दीपावली के दूसरे दिन लगने वाले इस ऐतिहासिक मेले की शुरुआत मुगल बादशाह औरंगजेब ने करवाई थी। यह मेला दो दिन तक चलता है। इस मेले में छत्तीसगढ़ उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश से लोग अपने गधे और खच्चर लेकर आते हैं। लगने वाले गधे मेले में गधों के नाम फिल्मी दुनिया के कलाकारों और नेताओं के नाम पर भी रखे गए थे जिसमे 'दीपिका' नाम का गधा सबसे अधिक एक लाख पच्चीस हजार का बिका।

लघुकथा

लोमड़ी बुद्धि

विजय मिश्रा 'अमित'

नवनिर्मित गांधी वाटिका में बच्चों के लिए संचालित ट्रेन लोकार्पण संबंधी बैठक चल रही थी।बैठक में सूझाव आया कि ट्रेन में सबसे पहले मंत्री जी के साथ मोहल्ले के बच्चों को बैठाया जाए।इसे अविलंब नकारते हुए मंत्री जी ने सूझाव दिया - ट्रेन में सबसे पहले अनाथालय के बच्चों को बैठाया जाए।मेरा बैठना भी उचित नहीं होगा। मंत्री जी की बात का समर्थन खुसुर फुसुर करते उपस्थित जनों ने ताली बजाकर किया।बैठक के बाद बंद कमरे की पार्टी भी आयोजित की गई थी। वहां एक चमचे ने मंत्री जी से पूछा- मान्यवर, नई टायट्रेन की पहली खेप में मोहल्ले के बच्चों के बजाय अनाथ बच्चों को बिठाना तो ठीक है, उनके साथ आपके नहीं बैठने का निर्णय समझ से परे है। इस पर मंत्री जी ने दांत निपोरते हुए धीरे से कहा - पगले ,पहली बार चलने वाली ट्रेन का क्या भरोसा। कहीं कुछ घटना दुर्घटना हो गई तो घायल होंगे, मरेंगे अनाथ बच्चे।इससे ज्यादा हंगामा नहीं होगा, पर मोहल्ले के बच्चों को कुछ हो गया तो उनके मां बाप हमारा बाल नोच डालेंगे। हमें भी अपनी जान प्यारी है। इसीलिए ट्रेन की पहली खेप में हमने बैठने से इंकार कर दिया। मंत्री जी की लोमड़ी चाल को समझने के बाद चमचों ने शराब छलकाते, जाम टकराते सहमती दे दी। (संपर्क- एम 8 सेक्टर 2 अग्रोहा सोसाइटी, पोस्ट आफिस-सुंदर नगर रायपुर छग, मोन-9893123310)

कोरोना के नये वेरिएंट ने बढ़ाई चिंता

राजेश माहेश्वरी

यदि यह सिंगापुर, हांगकांग और मॉरीशस तक पाया गया है और वहां लोग संक्रमित हुए हैं, तो नई नस्ल के लिए भारत बहुत दूर नहीं है। हालांकि वायरस के नए स्वरूप पर अनुसंधान अभी शेष हैं कि 'ओमिक्रॉन' कितना घातक और जानलेवा विषाणु है। मरीजों को अस्पताल तक जाने की नौबत कितनी आएगी और मृत्यु-दर कितनी होगी, फिलहाल यह डाटा दुनिया के सामने आना है। दक्षिण अफ्रीका में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले आए हैं। कोरोना के पहले वेरिएंट की तरह नये वेरिएंट के प्रति भी सभी नागरिकों को सतर्क रहना होगा। सामाजिक दूरी, सैनिटाइजर और मास्क के प्रयोग के प्रति जो लापरवाही देखने को मिल रही है, उसके प्रति सचेत होने की जरूर है। कोरोना प्रोटोकॉल ही सबसे बड़ी दवाई है, ये बात गांठ बांधनी होगी।

कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन' ने सारी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ऐसा नहीं है कि दुनिया और हमारे देश से कोरोना खत्म हो चुका है। मौजूद होने के बावजूद कोरोना निष्प्रभावी और नगण्य-सा रह गया था। हमारे देश में संक्रमण के रोजाना 10,000 से भी कम केस दर्ज किए जा रहे हैं और संक्रमण की औसत दर एक फीसदी से भी कम है, तो वायरस काबू में है। ऐसा विश्व स्वास्थ्य संगठन का घोषित आकलन है। पदचाप इसलिए आंक रहे हैं, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग, सिंगापुर, इजरायल, बोत्स्वाना सरीखे देशों में कोरोना की एक और नई नस्ल सामने आई है। वायरस का ये नया वेरिएंट इस महीने सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन को इसकी जानकारी दी गई। संगठन ने फिर 24 नवंबर को इस दक्षिण अफ्रीका की इस नए वेरिएंट की पुष्टि की और बयान जारी किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह कोरोना वायर के इस नए वेरिएंट को 'चिंता का विषय' बताते हुए इसका नाम ओमिक्रॉन रखा था। यह डेल्टा प्रकार की तुलना में 7 गुना तेजी से फैलता है और उसके 45 अलग-अलग स्वरूप भी सामने आ चुके हैं, लिहाजा यह खतरनाक और चिंतित स्थिति स्वाभाविक ही है। वायरस के हमारे शरीर की कोशिकाओं से संपर्क बनाने वाले हिस्से की बात करें तो इसमें 10 म्यूटेशन हुए हैं। जबकि दुनिया भर में तबाही मचाने वाले डेल्टा वेरिएंट में दो म्यूटेशन हुए थे। फिलहाल भारत इस वायरस से अछूता है। बेशक बीते करीब 550 दिनों के दौरान संक्रमण के आंकड़े न्यूनतम रहे हैं, लेकिन यह वायरस है, जिसके लिए भौगोलिक सीमाओं के बंधन नहीं हैं। जो कभी भी भारत में आ सकता है।

कोरोना के नए वेरिएंट की आहट के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सभी वरिष्ठ और संबद्ध अधिकारियों से करीब 4 घंटे तक विमर्श किया और निगरानी, जांच, बंदोबस्त और टीकाकरण की गति को बढ़ाने के निर्देश दिए, लिहाजा वायरस की गंभीरता को समझा जा सकता है। महाराष्ट्र और गुजरात ने कुछ अतिरिक्त पाबंदियां और क्वारंटीन सरीखी चैकसियां घोषित कर दी हैं। अमरीका के न्यूयॉर्क में आपातकाल का ऐलान करना पड़ा है। करीब 20 देशों ने अफ्रीकी देशों की तरफसे आने वाली उड़ानों पर रोक ही लगा दी है। कुछ देशों ने तो यात्रा-प्रतिबंध भी लागू कर दिए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अभी ओमिक्रॉन नाम के नए वेरिएंट को लेकर जो भी जानकारियां उपलब्ध हैं, उनसे कई तरह की संभावनाओं का संकेत मिलता है, लेकिन किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने के लिए उन्हें वैज्ञानिक आधार पर जांचने की आवश्यकता है। ऐसा बताया जा रहा है कि ओमिक्रॉन के 30 से ज्यादा म्यूटेशन हो चुके हैं। ये म्यूटेशन या बदलाव वायरस के स्पाइक प्रोटीन क्षेत्र में हुए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक वायरस के स्पाइक प्रोटीन वाले क्षेत्र में म्यूटेशन होने से वो वेरिएंट ऐसी क्षमता विकसित कर सकता है जिसमें कि वो इम्युनिटी से बच सकता है, यानी ये हो सकता है कि टीके या दूसरी वजहों से पैदा हुई शरीर की प्रतिरोधी क्षमता का उस वायरस पर असर नहीं हो। दिल्ली एम्स प्रमुख ने कहा कि ऐसे में दुनिया की सभी कोविड वैक्सीनों की समीक्षा करनी पड़ेगी क्योंकि अधिकतर वैक्सीन स्पाइक प्रोटीन से जूझने वाले एंटीबॉडी विकसित करते हैं, और इसी आधार पर वो वैक्सीन काम करती है।

देश में 121 करोड़ से ज्यादा टीकों की खुराकें दी जा चुकी हैं। करीब 35 करोड़ लोगों को टीके की दोनों खुराकें मिल चुकी हैं, लेकिन यह चिंतित पक्ष है कि अब भी 54 फीसदी वयस्कों को टीका लगाया जाना है। हम दिसंबर तक के लक्ष्य से इतना पीछे हैं। बाल-टीकाकरण की भी शुरुआत नहीं हो सकी है, जबकि अक्तूबर माह का आश्वासन दिया गया था। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोगों से नए कोरोनावायरस नए वेरियंट ओमिक्रोन के खिलाफसतर्क रहने का आग्रह किया। शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान कोविड के टीकों की 100 करोड़ से अधिक खुराक दी है। अब हम 150 करोड़ खुराक की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में कोरोनावायरस के नए वेरिएंट से हमें और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

देश में पिछले कुछ समय से कोरोना की गति धीमी होने के चलते टीकाकरण की गति मंद हुई है। लोगों में टीकाकरण को लेकर अब पहले जैसा उत्साह नहीं है। जब देश में टीकाकरण की गति ही धीमी हो गई है, तो बूस्टर डोज फिलहाल एक स्वप्न ही है। उस पर नीतिगत निर्णय लेना ही शेष है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन का मानना है कि कोई वेरिएंट कोविड वैक्सीन को पूरी तरह से बेकार नहीं कर सकता। मीडिया से बातचीत में कहा कि कोई भी ऐसा वेरिएंट नहीं होता, जो वैक्सीन को पूरी तरह से निष्प्रभावी बना दे। उन्होंने आगे कहा कि जब डेल्टा वेरिएंट आया था, तब भी ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि वो वैक्सीन को पूरी तरह से बेकार कर देगा. लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एस्ट्राजेनेका, मॉडर्ना, नोवावैक्स और फाइजर सहित तमाम दवा कंपनियों ने कहा कि ओमिक्रोन के सामने आने के बाद वे अपने टीके को उसका मुकाबला करने के लिए परिवर्तित करने का प्रयास कर रहे हैं और ये टीके 100 दिन में तैयार होने की उम्मीद है।,

दुनिया में तेजी से फैल रहे ओमिक्रोन को भारत में आने से रोकने के लिए केंद्र सरकार ने विदेश से आने वाले यात्रियों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। ये दिशानिर्देश एक दिसंबर से लागू होंगे और अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे। साथ ही नभ, जल और थल किसी भी सीमा से देश में प्रवेश करने वाले लोगों पर लागू होंगे। दिशानिर्देशों के मुताबिक सभी देश के लोगों को भारत आने से पहले आनलाइन एयर सुविधा पोर्टल पर अपनी पिछली 14 दिन यात्रा संबंधी विस्तृत जानकारी देनी भरनी होगी। कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट को लेकर संभावित खतरे को देखते हुए देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सरकार ने इस नए वेरिएंट को लेकर लखनऊ समेत सभी जिलों में विदेश से आने वालों की पड़ताल के निर्देश जारी किए हैं। निगरानी समितियों, स्वास्थ्य विभाग के दलों, जिलाधिकारियों और अन्य अधिकारियों ने जमीनी स्तर पर मोर्चा संभाल लिया है। उत्तर प्रदेश के साथ देश के सभी राज्य सरकारें नए वेरिएंट को लेकर 'अलर्ट मोड' में आ गयी हैं। *(-लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)*

एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी क्यों?

योगेश कुमार गोयल

कुछ समय पूर्व एचआईवी संक्रमित बच्चों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में एड्स पीड़ितों को लेकर लोगों के नजरिये और समाज के रवैये के प्रति चिंता साफदेखने को मिली थी। कार्यक्रम में एचआईवी संक्रमित कई ऐसे बच्चे थे, जिन्हें एड्स होने का पता चलते ही उनके रिश्तेदारों ने उनसे संबंध तोड़ लिए और पड़ोसियों ने दूरी बना ली। ऐसे बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी लोगों के ताने सुनने पड़े। ऐसे बच्चों और उनके अभिभावकों को अक्सर लोगों के भेदभाव का डर सताता है। 12 साल का एक बच्चा करण एक साल की उम्र से ही एड्स से पीड़ित है। जब वह एक साल का था, तब निजी अस्पतालों में उसकी जांच के दौरान ही पता चला कि उसके माता-पिता भी एचआईवी संक्रमित हैं।

'एड्स' न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए आज भी एक भयावह शब्द है, जिसे सुनते ही भय के मारे पसीना छूटने लगता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात् जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात् इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में करीब 46 फीसदी की कमी आई है जबकि इस संक्रमण की वजह से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी 22 फीसदी कम हुआ है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मेरे लफ़्ज़ों का कुछ असर हुआ है

मेरे लफ़्ज़ों का कुछ असर हुआ है देखो मुद्दतों बाद अक़्स नज़र हुआ है देखो... मुतमईन हूँ पाक सीरत से तेरी, यकीं आज फिर किस क़दर हुआ है देखो।

नम्रता सरन सोना

हमारे कर्म आटे की चक्की हैं जैसा

हमारे कर्म आटे की चक्की हैं जैसा कर्म होगा ऐसा ही फल प्राप्त होता है!! तुम लाख कर लो चतुराई ,कर्म के भेद को कभी मिटा नहीं सकते हो,क्योंकि कर्म आटे की चक्की जैसा मक्का,गेहूं, चावल, चना, जौ, यानि सत्य, दान,पुण्य,भजन कीर्तन, भक्ति, झुठ, पाप, हिंसा, निंदा, चुगली, छीना झपटी, जैसे जैसे कार्य होगें ऐसा फल यह मशीन देती रहेगी.....!! **मोना सेन गुप्ता**

खास पाती

इस पार से ऊषा ने सूरज

इस पार से ऊषा ने सूरज की गेंद उछाली छोटी-छोटी पहाड़ियों पे टप्पे खाती गेंद उस पार जा गिरी संध्या के आँचल में और संध्या उषा को चिढ़ाती हुई चोरनी सी समेट कर भाग गई उस गेंद को अपने आँचल में, इधर उषा उसके पीछे लगी रही तमाम रात आखिरकार सुबह फिर छीन लाई अपनी गेंद संध्या से, यह खेल नित चलता है और मैं दर्शक दीर्घा में बैठी आनंद लेती हूं प्रकृति के इस खेल का????

आशा पाण्डेय ओझा

सुनो मुलाक़ात में बात हुई हमारी

सुनो मुलाक़ात में बात हुई हमारी मगर जवाब नहीं मिला तब से लेकर आज तक रातों में मुझे कोई ख्वाब नहीं मिला इतना अस्त-व्यस्त हो गया हूँ अनसुलझी उलझनों में अब बिगड़ गया है गणित जिंदगी का कोई पक्का हिसाब नहीं मिला।

प्रवीण माटी

बन्द द्वार मुझे निराश नहीं करते

बन्द द्वार मुझे निराश नहीं करते अपितु कम कर देते है मेरे परिश्रम को। कि यहाँ की खोज पूरी हुई। मैं यहां अस्वीकृत हूँ अस्वीकार हो जाना भी कोई योग्यता या अयोग्यता का मापदंड नही अपितु मुक्ति का बीज है की तुम मुक्त हो जाओ अपने किसी भ्रम के मोह से। छूट गई बसे निकल गई रेलगाड़ियां ये सब यात्राओं की समाप्ति नही केवल कुछ विलंब भर है। की यात्रा का साधन कोई और होगा यात्रा के साथी कोई और होंगे। **कुलदीप वर्मा**

जीवन चक्र की परिधि में भंवर

जीवन चक्र की परिधि में भंवर चाक सी घूमती कच्ची माटी सी ये देह शिल्पकार के सधे हाथो स्नेहजल से सिंचित होकर कभी फिसलती कभी सुधरती कभी टूटती कभी इतराती गढ़ जाता आकार कर्मरथ की भट्टी में तपकर निखर निखर आती मृगतृष्णा की पिपासा को निर्मल जल से बुझाती स्पंदित होकर कहती जल सम ही तुम रहना पंचभूत का तत्व है माटी पंचभूत में ही है मिलना। **ज्योत्सना सक्सेना**

जिनगी के चार दिना, कटही कइसे

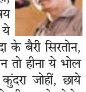

जिनगी के चार दिना, कटही कइसे मोर जोंही गुन-गुन मैं सिहर जाथौं, ये भोले तोर बिना। हांसी हरियावय नहीं, पीरा पिंवरावय नहीं जिनगी के गाड़ी, तोर बिन तिरावय नहीं श्रद्धा के गांजा-धथुरा, ले के तैं हमरो ल पीना ये भोले उमंग अब उवय नहीं, संसो ह सूतय नहीं बिपदा के बैरी सिरतोन, छोरे ये छूटय नहीं तुंहरे हे आसा एक्के, घुरुवा कस झन तो हीना ये भोल तन ह तनावय नहीं, आंसू अंटावय नहीं मया के कुंदरा जोहीं, छाये छवावय नहीं भक्ति म भगवान बिना, मुसकिल हे हमरो जीना... ये भोले।

कवि सुशील भोले

गाँव के बच्चे उपेक्षा के शिकार

गाँव के बच्चे उपेक्षा के शिकार हैं और शहर के बच्चों पर है अपेक्षा का कहर.. सांस लेने का अधिकार तो सबको है .फिर भी एक सांस ले नहीं पा रहा है और दूसरे को सांस लेने की फुर्सत नही आइये उपेक्षा और अपेक्षा के इस अंतर को खत्म करें अच्छी शिक्षा,सरल शिक्षा, समान शिक्षा, समान अधिकार, सबका अधिकार जरुरी है शिक्षा क्रांति मनोज बोल रहा हूँ आपका वाला बचा लो बचपन। **मनोज स्वाइन**

QUIZ TIME

1) पटना के दीदारगंज से प्राप्त चामर ग्राहिणी यक्षी की प्रतिमा किससे संबंधित है?
2) जब एक छोटे तारे में सुपरनोवा विस्फोट होता है, तो विस्फोट के पश्चात् तारे का अत्यधिक सघन कोर का अवशिष्ट भाग क्या कहलाता है?
3) जुगाली करने वाले पशुओं से किस ग्रीन हाउस गैस का निस्सरण होता है?
4) एक्सेल की वर्कशीट और चार्ट को एचटीएमएल डॉक्युमेंट पर प्रयोग किससे किया जाता है?
5) 2020 टोक्यो ओलम्पिक खेलों के कुश्ती मैचों में अम्पायरिंग करने वाले भारत के एकमात्र रेफरी का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) मौर्यकाल (2) व्हाइट ड्वार्फ(3) मीथेन (4) इंटरनेट असिस्टेंट विजार्ड (5) अशोक कुमार

आज का इतिहास

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत और विश्व के इतिहास में 01 दिसंबर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैः- 1640 - स्पेन से 60 वर्षों की गुलामी के बाद पुर्तग़ाल स्वतंत्र हुआ। 1933 - कोलकाता और ढाका के बीच विमान सेवा की शुरूआत। 1959 - अंटार्कटिका के शांतिपूर्ण वैज्ञानिक इस्तेमाल के लिए 12 राष्ट्रों ने संधि पर हस्ताक्षर किये। 1963 - नागालैंड भारत का 16वां राज्य बना। 1974 - वर्जीनिया के अपरविले में बोइंग 727 विमान दुर्घटनाग्रस्त, 92 की मौत। 1976 - अंगोला संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना। 1987 - अफ़ग़ानिस्तान के नये संविधान के अंतर्गत डाक्टर नजीबुल्लाह राष्ट्रपति निर्वाचित। 1988 - पाकिस्तान में आपातकाल की समाप्ति तथा राष्ट्रपति ग़ुलाम इशहाक ख़ान ने बेनजीर भुट्टो को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। बंगलादेश में चक्रवात से 596 लोगों की मौत हुई, पांच लाख लोग बेघर हुए। 1991 - एड्स जागरूकता दिवस की शुरुआत हुई। 1992 - दक्षिण कोरिया एवं दक्षिण अफ़्रीका में राजनयिक संबंध स्थापित। 1997 - चेचेन्या को विदेशी नागरिकों के लिए निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया। 2000 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने तालिबान पर शस्त्र प्रतिबंध का समर्थन किया। 2001 - अफ़ग़ानिस्तान कंधार हवाई अड्डे पर तालिबान विरोधी कबायलियों का कब्ज़ा। 2002 - ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड से लगातार आठवीं बार एशेज टेस्ट श्रृंखला जीती। 2006 - नेपाल ने नया राष्ट्रगान स्वीकृत किया। 2007 - चीन के सान्या में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में चीन की झलांग जी लिन को मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया।

बिचौलियों पर नजर रखने जिले की सीमा पर 11 चेक पोस्ट 24 घंटे रहेगी निगरानी

बैकुंठपुर। समर्थन मूल्य पर 1 दिसंबर से धान खरीदी शुरु होना है। जिसके लिए तैयारी भी जिले में हो गई किन्तु छत्तीसगढ़ में बिचौलियों द्वारा दूसरे राज्य से धान लाकर खरीदी केंद्रों में खपाया जाता है जहा कोरिया जिले में भी पूर्व के वर्षों में कई कार्यवाही हुई हैं इसमें समिति प्रबंधकों से उनकी सेटिंग होने की भी आशंका हैं। जिससे इस बार अवैध धान खपाने वालों की जिले में खैर नहीं। जिले में धान खरीदी शुरु होने से पहले ही मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ की सीमा पर 11 चेक पोस्ट बनाकर 24 घंटे टीम तैनात की गई है। हर चेक पोस्ट पर चार-चार सदस्यीय टीमें तीन पाली में अलग-अलग ड्यूटी करेंगीं।ताकि अन्य राज्यों से धान जिले में न आ सके।

मिली जानकारी अनुसार इस वर्ष कोरिया जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 में धान बिक्री करने हेतु जिले में 33 हजार 133 किसान पंजीकृत हैं। जिसमें 8 हजार 271 नए किसान शामिल हैं। वहीं सीमांत किसान 11 हजार 298, लघु किसान 8 हजार 192 और बड़े किसानों की संख्या 5 हजार 372 है। धान खरीदी में 19490 सीमांत-लघु किसानों को पहले प्राथमिकता दिया जाएगा।

इस साल पंजीकृत रकबा 43 हजार 139 हेक्टेयर है। पिछले साल 24 हजार 862 किसान और रकबा 36 हजार 396 हेक्टेयर था। जिला प्रशासन ने बिचौलिए-कोचिए को पकड़ने व अवैध तरीके से धान बिक्री करने वालों को पकड़ने 11 अंतरराज्यीय बैरियर में 24 घंटे टीम तैनात कर दिया है।

कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारी तैनात: धान खरीदी अवधि में समस्याओं का त्वरित निराकरण एवं अवैध धान परिवहन-संग्रहण की जानकारी देने कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिला कार्यालय के कक्ष क्रमांक 31 में धान खरीदी नियंत्रण कक्ष स्थापित है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07836-232330 है।नियंत्रण कक्ष में धान खरीदी अवधि 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक 24 घण्टे कर्मचारियों की ड्यूटी लगेगी। सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक सहायक ग्रेड 3 सुशांत कुमार व अनिल कुमार, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक सहायक ग्रेड 2 रमाकांत तिवारी, पन्नालाल साहू की ड्यूटी लगी है। वहीं रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक सहायक ग्रेड 2 अब्दुल शमीम व राजा राम कार्य करेंगे।

एसडीएम के नेतृत्व में पांच टीम करेगी निगरानी

अवैध धान की रोकथाम एवं सघन जांच करने एसडीएम के नेतृत्व में पांच दल बनाए गए हैं। वहीं धान उपार्जन अवधि में प्रशासनिक अधिकारियों को अलर्ट रहने निर्देश दिए गए हैं। जांच दल में बैकुंठपुर, सोनहत, मनेन्द्रगढ़, खडग़वां और जनकपुर एसडीएम नोडल अधिकारी होंगे। वहीं तहसीलदार, सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, खाद्य निरीक्षक सदस्य बनाए गए हैं।

> 24 घंटे रहेगी कड़ी निगरानी
> अवैध धान की रोकथाम एवं सघन जांच करने एसडीएम के नेतृत्व में पांच दल बनाए गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सीमा पर 11 चेकपोस्ट बनाकर टीम 24 घंटे निगरानी करेगी।
> **श्याम धावड़े**, कलेक्टर कोरिया

न्यूज गैलरी

मुख्य सचिव ने विडिओ कांफ्रेंसिंग के जरिए धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा

बीजापुर - नवप्रदेश। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में धान खरीदी की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों की आवश्यक व्यवस्थाओं को नोडल एवं जोनल अधिकारियों के माध्यम से सतत् निगरानी रखने के निर्देश देते हुए उपार्जन केंद्रों में बारदाना के उपलब्धताए टोकन व्यवस्था का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों में कोविड.19 के टेस्टिंगए टीकाकरण और जागरूकता अभियान करने कहा। वीडियों कॉन्फ्रेसिंग में कोरोना वायरस के संभावित तीसरे लहर की आवश्यक तैयारी व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। जिले में विदेशों से आने वाले यात्रियों पर विशेष निगरानी देने के निर्देश दिए। जिले में टीकाकरण में तेजी लाने विशेष पहल करने को कहा।इसके अलावा राज्य स्तरीय मानस मंडली प्रतियोगिता और युवा महोत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा किए। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के लिए जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज शुक्ला जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आरके सिंह खाद्य अधिकारी बीएल पद्माकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पार्षद पद के लिए नीतू ने भरा नामांकन

बेमेतरा। नगर पालिका परिषद बेमेतरा के वार्ड क्रमांक 11 के उप चुनाव के लिए पूर्व पार्षद नीतू कोठारी ने आज अपना नामांकन निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जमा किया।

शिवम तिवारी आस्था बहुउद्देशीय कल्याण सस्थान के सयोजक बने

बेमेतरा। आस्था बहुउद्देशीय कल्याण भिलाई सस्थान छ.ग. बेमेतरा का जिला संयोजक शिवम तिवारी को बनाया गया है। साथ ही समाजसेवी कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया है। आस्था बहुउद्देशीय कल्याण संस्थान महामहिम राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा महाराजा अग्रसेन से सम्मानित एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्था है जिसने नगर के शिवम तिवारी को जिला संयोजक नियुक्त किया है। इस कार्य के लिए छत्तीसगढ़ संयोजक एवं समाज सेवी राजेन्द्र खुराना शुभकामनाएं ज्ञापित की है।

बेमेतरा में 3 से होगा टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

बेमेतरा। स्व. राजरानी छाबड़ा की स्मृति में एकता क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित लगातार 20 वां वर्ष के टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 3 दिसम्बर से बेमेतरा के हृदय स्थल बेसिक स्कूल मैदान में होने जा रहा है। प्रतियोगिता के आयोजक एकता क्लब के अध्यक्ष नन्नू रजक, मैडी धीवर ने बताया कि प्रतियोगिता में राज्य के बाहुबली व चैम्पियन कहे जाने वाले नामी टीमे आकर्षण का केंद्र होंगे। लगभग 5 से 6 टीमे दूर के जिले से होंगे। बेमेतरा के क्रिकेट प्रेमी दर्शको को इस प्रतियोगिता का इंतजार हमेशा रहता है। स्पर्धा के बारे में पता चलते ही दर्शको का भीड़ मैदान में आना जाना शुरू हो जाता है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 40 हजार रूपये व चमचमाती ट्रॉफी- बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा, नपा अध्यक्ष शकुंतला मंगत साहू द्वारा तथा उपविजेता टीम को 20 हजार रूपये व चमचमाती ट्रॉफी- अजीत छाबड़ा विधायक प्रतिनिधी द्वारा प्रदान किया जावेगा। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता से जुड़े अनेको आकर्षक पुरुस्कार भी खिलाड़ियों को प्रदान किया जावेगा।

माहवारी स्वच्छता के प्रति और ज्यादा जागरूक हुईं महिलाएं

- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे द्वारा जारी आंकड़ों में आई बात सामने
- बाल विवाह की रोकथाम में भी बेहतर आंकड़े

राजनांदगांव। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता के मामले में जिले की महिलाओं ने शानदार कदम बढाते हुए जागरूकता का परिचय दिया है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) के अनुसार इस दिशा में जागरूकता के मामले में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

जनस्वास्थ्य को गंभीरता से लेते हुए जिले में विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। समय-समय पर विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है तथा विशेष अभियान के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। जिले में मातृ-शिशु व महिला स्वास्थ्य को प्राथमिकता में रखा गया है जिसके परिणाम स्वरूप काफी सुखद परिणाम सामने आए हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) के अनुसार स्वास्थ्य के प्रति जिले के लोग अब काफी सजग हो गए हैं। माहवारी स्वच्छता, विवाह और प्रजनन क्षमता के संदर्भ में जिले के कई आंकड़े बेहतर हुए हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार माहवारी स्वच्छता के मामले में महिलाओं में काफी जागरुकता आई है। साथ ही जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में भी बढ़ोतरी हुई है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों के अनुसार, राजनांदगांव जिले में 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों का विवाह (बाल विवाह) का आंकड़ा साल 2015-16 में जहां 17.2 प्रतिशत था, वह घटकर साल 2020-21 में 318 प्रतिशत पर आ गया है यानि ऐसे मामलों में 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा संकेत है।

ऐसी समझदारी जरूरी है...

एनएफएचएस-5 के सर्वेक्षण के नतीजों पर गौर करने से पता लगता है कि 15 से 24 वर्ष की महिलाएं जो मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ तरीकों (सैनेटरी पैड) का उपयोग करती हैं उनमें अब काफी जागरुकता आई है। ऐसी महिलाओं की तादाद साल 2015.16 में जहां 6007: थी जो 2020.21 में बढ़कर अब 73.6 प्रतिशत पर आ चुकी है। इसके अलावा परिवार नियोजन के साधनों का उपयोग करने वालों की संख्या 64.3 प्रतिशत से बढ़कर 73.3 प्रतिशत हो गई है जो प्रगतिकारक संकेत है।

विधायकों से लगाई गुहार, दोषी जिला शिक्षा अधिकारी पर हो कार्यवाही

राजनांदगांव। शिक्षा विभाग द्वारा विगत दो वर्षों में (जनवरी 2020 और फरवरी 2021) कुल 2646 सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन पकाने के लिए एक करोड़ बत्तीस लाख तीस हजार रूपये की किचन डिवाईस की खरीदी की गई और दो वर्षो में खरीदी गई किचन डिवाईस की गुणवत्ता की जांच कराया गया और सत्यापन रिपोर्ट में यह पाया गया कि किचन डिवाईस गुणवत्ताहीन है और निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं है, जिससे संबंधित कंपनी को वापस किया जाना चाहिए, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी हेतराम सोम ने उसी गुणवत्ताहीन किचन डिवाईस जो निर्धारित मानकों के अनुसार नही था उसे वितरण कर कंपनी को भुगतान भी कर दिया गया, जबकि घटिया क्वालिटी के बर्तन को वापस कर निर्धारित मानकों के अनुसार बर्तन मंगवाकर उसे वितरण किया जाना था।

विधानसभा मानसून सत्र जुलाई 2021 में जिला शिक्षा अधिकारी हेतराम सोम के द्वारा गलत जानकारी दिया गया कि किचन डिवाईस कम वजन के है और इस संबंध में कोई शिकायत हुई है ऐसी कोई जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध नही है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल का कहना है कि घटिया क्वालिटी के किचन डिवाईस को वितरण कराना और संबंधित कंपनी को भुगतान करना और विधानसभा में मिथ्या जानकारी प्रस्तुत करना गंभीर प्रवृत्ति का अपराध है।

अमानक सायलेंसर से पटाखे की आवाज निकालने वाले दुपहिया वाहन चालकों पर कार्यवाही की मांग

- पटाखों जैसी कान फोड़ू तेज आवाज निकाल कर मचाते हैं शोर
- तेज ध्वनि कमजोर दिल के मरीजों और बुजुर्गों के लिए हो सकती है जानलेवा

राजनांदगांव। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई ने चार पहिया मोटर साईकिल चालकों के द्वारा अमानक साइलेंसर से पटाखों जैसे कान फोड़ू तेज आवाज निकालकर शोर और ध्वनि प्रदूषण पैदा करने वाले मनचले दुपहिया चालकों पर कठोर कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण से शिकायत कर कार्यवाही की माँग की है।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिन्दू युवा मंच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी और शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार ने बताया कि, आजकल शहर में दुपहिया वाहन चालकों के द्वारा अपने दुपहिया वाहनों को मोडिफाई कराकर अमानक साइलेंसर के माध्यम से भद्दे, कानफोड़ू पटाखे जैसी तेज आवाज निकालकर शहर में ध्वनि प्रदूषण पैदा कर रहे हैं। शहर में जहां कही भी देखों ये मनचले दुपहिया वाहन चालक पटाखे की तेज आवाज निकालकर सबका ध्यान अपनी इस बेवकूफी की तरफ आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में भी ये कानफोड़ू पटाखे की तेज आवाज़ निकालकर व्यर्थ ही कोलाहल को पैदा कर ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाते हैं। बल्कि ये शाँति भंग करने का भी अपराध कर रहे हैं। यही नहीं ये मनचले युवक युवतियों को भी अकर्षित करने इस प्रकार के पटाखे वाले अमानक साइलेंसर का उपयोग करते हैं। जिसके कारण इन पर छेड़खानी का भी अपराध दर्ज होना चाहिए। इस प्रकार के पटाखों की तेज आवाज के दुष्प्रभाव से बड़े बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक और जानलेवा भी साबित हो सकता है। अचानक दुपहिया वाहनों से निकाली गए भद्दे, कानफोड़ू तेज आवाज से बड़े बुजुर्गों और दिल के मरीजों का धड़कन भी रुक सकती है। यहां तक उन्हें दिल का दौरा भी पड़ सकता है। जाने अनजाने में इन मनचले दुपहिया वाहन चालकों से कितना बड़ा अपराध हो रहा है। ये खुद भी नहीं जानते। अपराध जान-बूझकर हो या अनजाने में अपराध तो अपराध ही होता है, और पटाखे की तेज़ आवाज वाले भद्दे कानफोड़ू साइलेंसर तो इन्होंने खुद ही अपनी मर्जी से लगवाएं हैं, फिर तो ऐसे में इन पर पूरे होशो-हवास में होकर हत्या का प्रयास करने का आरोप साबित होता है। रायपुर और दुर्ग जिलों की पुलिस ने ऐसे भद्दे, कानफोड़ू अमानक सायलेंसरधारी सैकड़ो वाहनों पर बड़ी कार्यवाही की है, किन्तु राजनांदगाँव पुलिस प्रशासन का ध्यान इस पर क्यों नहीं गया, यह आश्चर्य की बात है।

हिन्दू युवा मंच ने उम्मीद जताई है कि, उनकी उक्त शिकायत पर अपेक्षित कार्यवाही की जाएगी।

ज्ञापन सौंपने हिन्दू युवा मँच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी, शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार, संपर्क प्रमुख कृष्ण शुभम महाराज, शहर संयोजक राजा ताम्रकार, सह संयोजक अभिषेक शर्मा, पूनम शर्मा, शाम्भवी आईच, मिथलेश मेश्राम, अभिषेक चौबे, चेतन सिंह राजपूत सहित हिन्दू युवा मंच के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

जोगी पहुंचे सिलगेर एडसमेटा, कहा भूपेश सरकार मृतकों को दें मुआवजा

- लखीमपुर की घटना में प्रदेश के मुख्यमंत्री जा सकते है तो सिलगेर व एडसमेटा क्यों नहीं आ रहे। अपने राज्य के लोगों का दु:ख दर्द सुने - जोगी।

राजेश झाड़ी

बीजापुर - नवप्रदेश। छग के लोकप्रिय एकमात्र प्रदेश के क्षेत्रीय पार्टी जोगी कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी मिलने पहुंचे। जोगी के बीजापुर का दो दिवसीय के दौरान सिलगेर एंव एडसमेटा के बुर्जी पहुंचे यहां सात माह से आंदोलनरत मूलवासी मंच के ग्रामीणों से मिलकर चर्चा की, अमित जोगों ने सिलगेर व एडसमेटा बुर्जी के लोगों को न्याय दिलाने की बात की है। साथ ही कहा कि उनको पार्टी के विधायक विधानसभा में इस पर काम रोको प्रस्ताव लाएंगे। जोगी ने कहा कि सात महीनों से सिलगेर व एडसमेटा के बुर्जी में ग्रामीण न्याय की गुहार लगा रहे हैं। लेकिन राज्य की भूपेश सरकार का इस ओर ध्यान नहीं है के लखीमपुर की घटना में प्रदेश के मुख्यमंत्री जा सकते है तो सिलगेर क्यों नहीं आ रहे। अपने राज्य के लोगों का दुःख दर्द सुने।

अमित जोगी ने कहा कि ग्राम सभा को मजबूत बनाये और ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव बनाकर ग्राम विकास का खाका तैयार करे ग्राम सभा में पारित प्रस्ताव ही मान्य है। केंद्र सरकार व राज्य सरकार के प्रस्ताव से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, ग्राम सभा जोगी ने यह भी कहा कि पाचवी अनुसूची के तहत ग्राम सभा प्रस्ताव पारित कर में कंप को हटायें। बगैर प्रस्ताव के केंद्र व राज्य सरकार अनुसूचित क्षेत्रों में कोई काम नहीं कर सकती है।

पुलिस निर्दोष आदिवासियों पर कार्रवाई करना बंद करें, नक्सली मामले में बंदी को रिहा करें: जेसीसीजे अध्यक्ष अमित जोगी का कहना है कि वस्तर में निर्दोष आदिवासियों पर कार्यवाही करना बंद करे। पुलिस ग्रामीणों को नक्सली बताकर जेल में बंद करने पर आमादा हैजो निर्दोष आदिवासी जेल में बंद है उनकी रिहाई करे? पेशा कानून की वकालत करते हुये कहा कि प्रदेश में यह कानून लागू हो चाहिए तभी आदिवासियों को न्याय मिलेगा। अमित जोगी ने कहा कि क्षेत्र का विकास का खाका ग्राम सभा में तैयार करें।

सिलगेर व एडसमेटा के वासियों की मांग

चौड़ी सड़क नहीं चाहिए। गांव में सीआरपीएफ कैंप हटाया जाये, निर्दोष आदिवासियों को जेल से रिह किया जाए, गांव के पढ़ने वाले बच्चों को नक्सली बताकर जेल भेजना बंद न करे गांव के जंगल जमीन के हक को नोना जायेगा में खेती बाड़ी करने वाले को तग करना बंद करे। इस दौरान जिलाध्यक्ष सकनी चन्दैया, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जमुना सकनी, कोरसा व रोशन झाड़ी, रामचंद्रम एरोला, गुड्डू कोरसा, मुकेश हेमला, चलमैया, दीपक मरकाम, एपी चन्द्रशेखर, गुंडीराम तेलम, लखमू कुडियाम, सुनिता तिवारी, महिला कर्याकर्ता आदि मौजूद रहे।

जनवोल्ट ने निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए मिनी वाईफाई यूपीएस किया लॉन्च

नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित ऊर्जा-समर्थित कंपनी ज़नवोल्ट ने सभी के लिए जीवन को व्यवहारिक बनाने के लिए बहुप्रतीक्षित मिनी वाईफाई यूपीएस पेश किया है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं, जहाँ इंटरनेट एक निरंतर आवश्यकता है और एक अवांछित सहसा बिजली कटौती अक्सर असहज बाधा का कारण बन सकती है।

ज़नवोल्ट मिनी वाईफाई बिजली कटौती के दौरान भी राउटर और मॉडेम के माध्यम से निरंतर वाईफाई कनेक्टिविटी सुनिश्चित करता है। इन वाईफाई यूपीएस को लोकप्रिय ई-कॉमर्स वेबसाइट्स जैसे-अमेज़न और स्नैपडील पर ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। सिर्फऑनलाइन ही नहीं, ज़नवोल्ट ने देश में अपनी बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए सैकड़ों डीलर्स तथा डिस्ट्रीब्यूटर्स के साथ कोलेबरेट किया है। ज़नवोल्ट 5 वर्षों में 5 मिलियन घरों में पहुँच बनाने के लक्ष्य के साथ अपने ग्राहकों के लिए प्रतिबद्ध है।

जैसा कि ज़नवोल्ट मिनी वाई-फाई यूपीएस को भविष्य में प्रमुखता से उपयोग किए जाने वाले साधन के रूप में देखा जा रहा है, ज़नपल्स के फाउंडर तथा सीईओ प्राणेश चौधरी कहते हैं, ÷हम बहुत विचार-विमर्श के बाद आखिरकार मिनी वाई-फाई यूपीएस लॉन्च कर रहे हैं। देश भर में पॉवर बैकअप की अंतर्निहित आवश्यकता को देखने के बाद, मिनी वाई-फाई यूपीएस की ग्राहकों के बीच काफी लोकप्रिय होने की उम्मीद है।

ज़नवोल्ट मिनी वाई-फाई यूपीएस को अनिवार्य रूप से 5 घंटे तक पॉवर बैकअप प्रदान करके ग्राहकों को लगातार वाई-फाई कनेक्टिविटी की सुविधा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस 12 वोल्ट मिनी वाई-फाई यूपीएस का उपयोग करना बहुत आसान है, जहाँ किसी को केवल यूपीएस को प्लग करने और चलाने की आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं, ग्राहक इस बेहद आसान मिनी यूपीएस को असंख्य प्रकारों जैसे 12V डीसी वाई-फाई राउटर, ब्रॉडबैंड मॉडेम, सेट-अप बॉक्स और यहाँ तक कि सीसीटीवी कैमरों से भी जोड़ सकते हैं।

www.amazon.in/ZunVolt-Min और www.snapdeal.com/product/zunvolt के माध्यम से ज़नवोल्ट वाई-फाई UPS का लाभ उठाएं। वर्ष 2020 में अपनी स्थापना के बाद से, ज़नवोल्ट अपने उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के साथ अधिकतम लाभ प्रदान करके ग्राहकों को स्मार्ट होम उत्पादों से संबंधित सुविधाएँ देता है। इस शानदार वाई-फाई यूपीएस के लॉन्च के साथ, ज़नवोल्ट अविश्वसनीय उत्पादों की एक श्रृंखला को एक साथ रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

यदि आप ज़नवोल्ट के साथ साझेदारी करने में रुचि रखते हैं, तो कृपया हमसे www.zunsolar.com पर संपर्क करें।

जनवोल्ट के बारे में

ज़नवोल्ट भारत का अपना ऊर्जा-आधारित ब्रांड है, जिसमें उन्नत उत्पादों की एक श्रृंखला है जो घरेलू बिजली बैकअप और घरेलू विद्युत रिक्त स्थान को कवर करती है। यह होम-टेक कंपनी, ज़नपल्स द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जो इमेज प्रोसेसिंग, वर्चुअल रियालिटी, आईओटी और डेटा एनालिटिक्स के मिश्रण से संचालित है। यह इन-हाउस विकसित आईओटी- सक्षम हार्डवेयर और संबंधित ऐप्स के माध्यम से किसी के घर में प्रत्येक उपकरण की समझ और नियंत्रण प्रदान कर रहा है। कंपनी की स्थापना जून 2016 में प्राणेश चौधरी और सुशांत सचान द्वारा की गई थी। दोनों आईआईटी-खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं।

शक्ति पम्पस ईवी मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और ड्राइव्स के निर्माण में कदम रखने को तैयार

इंदौर। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने अपने मोटर्स बनाने के 30 वर्षों के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और मल्टी - एप्लिकेशन कंपोनेंट वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव्स (वीएफडी) के निर्माण के साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की। इसके लिए हाल ही में हुई शक्ति पम्पस (इं) लिमिटेड की बोर्ड बैठक में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल करने को मंजूरी दी है।

बोर्ड मीटिंग के उपरांत शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश पाटीदार ने कहा - ÷शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के पास जहां इलेक्ट्रिक मोटर्स बनाने का 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है वहीं पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट बनाने का 5 वर्षों का अनुभव है। इसी अनुभव और विशेषज्ञता के विश्वास के साथ अब हम पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बैटरी चार्जर, ईवी कंट्रोलर और ईवी मोटर्स का निर्माण और आपूर्ति करेंगे जिनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बाज़ार को जरूरत है। शक्ति पम्पस (इंडिया) लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी सबमर्सिबल सोलर पम्पस, मोटोराइज्ड पम्पस की निर्माता और आपूर्तिकर्ता कंपनी है।

मोहन मरकाम एवं चंदन यादव के साथ कोंडागांव पदयात्रा में शामिल हुए जिला अध्यक्ष नीलू चंद्रवंशी

कवर्धा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सोनिया गांधी के आह्वान पर मोदी सरकार की कमरतोड़ महंगाई के खिलाफ पूरे देश और प्रदेश भर में जन जागरण पदयात्रा अनवरत चल रहा है। कोंडागांव में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ चंदन यादव एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के अगुवाई में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नींलू चंद्रवंशी, जिला कांग्रेस सचिव टीकम शर्मा, सदस्य गोपाल चंद्रवंशी, नीरज चंद्रवंशी, मनीष चंद्रवंशी समेत अन्य कांग्रेसियों ने सुबह से जन जागरण पदयात्रा प्रारंभ की गई। पदयात्रा में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री कावासी लखमा, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग, प्रभारी महामंत्री प्रशासन रवि घोष, प्रभारी महामंत्री संगठन चंद्रशेखर शुक्ला, युवक कांग्रेस अध्यक्ष कोको पाढ़ी सहित सेवादल, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई अन्य मोर्चा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं सहित बीस हजार से अधिक का जनसैलाब उमड़ा।

9 दिसंबर को 108 ग्राम में और 10 दिसंबर को कवर्धा में हो भगवा ध्वजारोहण

कवर्धा । कवर्धा देश के अनेक तीर्थ स्थानो से अलग - अलग मठ, अखाड़ा से कवर्धा में भगवा ध्वजारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित होने महामंडलेश्वर, सन्यासीगण, संतगण कवर्धा पहुंचने वाले हैं। श्री शङ्कराचार्य जन कल्याण न्यास के प्रबंध ट्रस्टी चन्द्रप्रकाश उपाध्याय ने बताया कि श्री शङ्कराचार्य जनकल्याण न्यास ने निर्णय लिया है कि कबीरधम जिले के 108 ग्राम का चयन हो चुका है जिसमें 21 फुट के स्तंभ में भगवा ध्वजारोहण होना है जिसमें किस ग्राम में कौन सन्यासी, महामंडलेश्वर, ब्रम्ह्चारी, संतगण, महंतगण जाएंगे तय हो चुका है। ग्राम प्रभारी का निर्णय भी हो चुका है। 108 ग्राम में 9 दिसंबर को मध्यान्ह 3:45 बजे एक ही समय में सभी ग्राम में एक साथ ध्वजारोहण किया जायेगा जिसमें सभी ग्रामवासी उपस्थित होकर ग्राम में भगवा ध्वजारोहण में शामिल होंगे, साथ ही 10 दिसंबर को कवर्धा में आयोजित 108 फीट के स्तंभ में होने वाले भगवा ध्वजारोहण कार्यक्रम का निमंत्रण सभी ग्रामवासियो को देंगे एवं धर्मध्वज के विशेषता के उपर प्रवचन करेंगे । सभी संतगण जो कवर्धा पधारने वाले है जो 108 ग्राम जायेंगे, उनके आवास व्यवस्था हेतु कवर्धा नगर में 108 गृह का भी चयन हो गया है। कवर्धा में 10 दिसंबर को आयोजित 108 फीट के स्तंभ में भगवा ध्वजारोहण संपूर्ण भारत वर्ष का यह सबसे बड़ा स्तंभ में धर्मध्वज होगा। विश्व के कोई भी शहर या ग्राम में इतने बड़े स्तंभ में स्थायी धर्मध्वज कहीं नहीं लगा है। वहीं हिन्दू शौर्य जागरण महासभा कार्यक्रम के पूर्व प्रचार प्रसार हेतु विश्वहिंदू परिषद शहर इकाई द्वारा आज बाइक रैली एवं शुक्रवार को मातृशक्ति द्वारा भव्य स्कूटी रैली का आयोजन किया जायेगा। बाइक रैली में शहर के सभी हिन्दू बंधू भगिनी भाग लेंगे। रैली के लिए भारत माता चौक में एकत्रीकरण होगा जिसके पश्चात् 03 बजे रैली भारत माता चौक से प्रारम्भ कर राजमहल चौक, कचहरी पारा, राधाकृष्ण बड़े मंदिर, शीतला मदिर चौक, ठाकुर पारा पार्क, दर्री पारा - ठाकुरदेव चौक, नवीन बाजार, कैलाश नगर, शिक्षक कालोनी, विद्द्या नगर -आदर्श नगर, विध्वासिनी मंदिर, पूर्व मुख्यमंत्री निवास, गुरुनानक चौक, ऋषभ देव चौक, एकता चौक से महामाया मंदिर में रैली का समापन होगा।

शत-प्रतिशत कोरोना टीकाकरण के लिए निकाली गई साइकिल रैली

कवर्धा। गांवों में 18 वर्ष की आयु के सभी व्यक्तियों का शत-प्रतिशत कोरोना से बचाव के लिए,''टीकाकरण'' हो। इसी उद्देश्य से ग्राम दशरंगपुर के सरपंच ''राजू चॉद खान'' के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दशरंगपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के कार्यक्रम अधिकारी हेमधर साहू व स्वयंसेवकों के साथ,''साइकिल रैली'' निकाली गई ताकि शत-प्रतिशत टीकारण हो सके। रैली का संयोजन प्राचार्य रवेन्द्र सिंह चंद्रवंशी, एसएमडीसी अध्यक्ष महेश केशरी, सांसद नरेश केशरी ने किया तथा व्याख्याता अर्चना सोनी, संतोष डहरिया, स्वास्थय विभाग के आरएचओ धनंजय चतुर्वेदी की टीम ने रासेयो के साथ डोर-टू-डोर जाकर, पारा-खण्डसरा, बिसनपुरा, खण्डसरा गांवों में टीकाकरण के सौ फीसदी लक्ष्य को प्राप्त किया। सरपंच राजू चॉद खान ने दशरंगपुर के आबादी पारा, स्कूल पारा, बाजार चौक, पाल पारा में व्याख्याता हेमधर साहू, शिक्षिका वंदना चंद्राकर तथा स्वास्थ्य विभाग की आरएचओ इन्दिरा झारिया व राष्ट्रीय सेवा योजना-दशरंगपुर की टीम के साथ मिलकर,कोरोना से बचाव के टीकाकरण हेतु विशेष अभियान चलाया तथा टीकाकरण के कार्य में अपना योगदान देने वाले स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व विभाग, मितानीन, आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका का आभार जताया।

शा. हाई स्कूल मटका में एनसीसी डे का आयोजन

बेमेतरा। जिले के ग्राम मटका शासकीय हाई स्कूल में एनसीसी दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रत्येक वर्ष नवंबर के अंतिम रविवार को एनसीसी दिवस के रूप में मनाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 छत्तीसगढ़ घुड़सवार रेजीमेंट एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल हरेंद्र तिवारी के आदेशानुसार जिले में घुड़सवार रेजिमेंट से संबंधित एक मात्र संस्था शासकीय हाई स्कूल मटका के एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी दिवस धूमधाम से मनाया। एनसीसी डे का कार्यक्रम एनसीसी अधिकारी प्रभात सिंह के निर्देशन में हुआ। उन्होंने एनसीसी डे के बारे बताया कि ग्राम मटका में स्थित पंचायत भवन एवं डाक घर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही कविता व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

खाद्य मंत्री भगत ने किया नवीन धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ

- 8 ग्राम पंचायतों के 1200 किसानों को मिलेगा फायदा
- चिचिया में 100 मीट्रिक टन क्षमता गोदाम लोकार्पित
- किसानों के लिए समर्पित है सरकार - अमरजीत भगत

गरियाबंद। प्रदेश के खाद्य एवं संस्कृति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर देवभोग विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिचिया और मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सरनाबहाल पहुंचे। यहां उन्होंने नवीन धान खरीदी केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया। दोनों नवीन धान खरीदी केंद्र खुलने से आसपास के 8 ग्राम पंचायतों के 1200 किसानों को फायदा होगा। साथ ही चिचिया में 100 मीट्रिक टन क्षमता वाले खाद्य गोदाम का लोकार्पण किया, यहां उन्होंने गोठान में गोबर खरीदी का भी शुभारंभ किया। चिचिया में धान खरीदी केंद्र खुलने से ग्राम पंचायत डूमरपीटा, बरबहाली, नवागांव के 669 किसान लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री ने यहां आयोजित महती जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह सरकार किसानों की सरकार है। यहां की 80 प्रतिशत जनता किसान है उनके हित के लिए भूपेश सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 लाख करोड़ रुपये के बजट में 26 हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में सीधे दे रहे है। सरकार बनते ही सबसे पहले कार्य 10 हजार करोड रूपए का कर्जा माफी और 2500 रुपये में धान खरीदी का फैसला किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार किसानों के लिए समर्पितहै ।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सबको राशन दे रही है, चाहे अमीर हो या गरीब, कोई भी व्यक्ति इस राज्य में भूखा न सोए यह हमारा संकल्प है। कोविड-19 के दौर में हमने सबको दवाई दी, सेवाएं दी और मुश्किल हालात में सरकार जनता के साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि आज जिले के आदिवासी क्षेत्रों में लोगों में उत्साह दिखाई दे रहा है।पहले जहां 7 प्रकार के वनोपजों की खरीदी होती थी, वही हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर 52 वनोपजों की खरीदी कर रही है। तेंदूपत्ता प्रति मानक बोरा 2500 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया गया है। गांव, गरीब,आदिवासी और किसान हमारे विकास के केंद्र है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करेगी। सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। साथ ही हमारी सरकार राजीव गांधी किसान न्याय योजना अन्तर्गत प्रति एकड़ 9 हजार रूपए किसानों के खाते में देगी। उन्होंने कहा कि भूमिहीन मजदूरों को भी प्रति वर्ष 6000 रुपए देगी।

तत्पश्चात प्रभारी मंत्री ने ग्राम सरनाबहाल में नवीन धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया । इससे ग्राम , सरना बहाल धनोरा, घुमरापदर, और चिखली के 535 किसानों को लाभ मिलेगा। सभा को जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति नीरज ठाकुर, उपाध्यक्ष संजय नेताम, जनक ध्रुव, भाव सिंग साहू ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर कलेक्टर निलेश क्षीरसागर, हाऊसिंग बोर्ड के सदस्य विनोद तिवारी ,स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के किसान एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

किसानों में खुशी की लहर

दोनों गांवों में नवीन धान खरीदी केंद्र खुलने से किसानों में खुशी की लहर है। ग्राम नवागांव के किसान पतिराम, टेकराम यादव ने कहा कि भूपेश सरकार ने किसानों की समस्या का त्वरित समाधान किया । इससे किसानों को 10 किमी दूर धान बेचने नही जाना पड़ेगा।। वहीं ग्राम सरना बहाल के किसान भजन लाल , बलभद्र, पूरनसिंह ने खुशी जताते हुए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा की अब किसानों को 15 किमी दूर मुड्रेलमाल नही जाना पड़ेगा।। आज 5 किसानों को टोकन भी प्रभारी मंत्री द्वारा प्रदाय किया गया

अपराध पर अंकुश लगाने नपाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपा ज्ञापन

कवर्धा। नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शहर में हो रहे अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। सोमवार 29 नवम्बर को लगभग 3 बजे जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों कार्यकर्ता नगर पालिका परिसर में एकत्र होकर पैदल मार्च करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां शहर में बढ़ते अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने व अपराधियों पर तत्काल कार्यवाही करने ज्ञापन सौंपा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे को बताया कि विगत कुछ दिनों से शहर में हो रहे आपराधिक गतिविधियों के कारण लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है लगातार हो रहे चाकू बाजी, मारपीट, झूमा-झटकी, चोरी व नशा खोरी जैसे अन्य अपराध हो रहे हैं साथ ही आम जगहों पर शराब खोरी तथा छोटे बच्चों द्वारा सिलोशन व अन्य नशा खोरी बढ़ते जा रहा है जिससे नगर की छवि धूमिल हो रही है इन अपराधों पर अंकुश लगाते हुए शहर में सर्चिंग बढ़ाना एवं सघन जांच कर अपराधियों का जुलूस निकाल कर जन-जागरण करने की आवश्यकता है उन्होंने पुलिस अधीक्षक को कहा कि अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाते हुए दिन व रात्रि में गश्त बढ़ाने व अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करने को कहा। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से ऋषि शर्मा, उपाध्यक्ष जमील खान, प्रवक्ता राजकुमार तिवारी सहित समस्त पार्षद व एल्डरमैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित थे।

प्रथम स्ष्ठऋक्ष बनने पर नितेश सोनी ने मनीष को दी शुभकामनाएं

बेमेतरा/बेरला। बेमेतरा जिला के नगर पंचायत बेरला वार्ड 05 निवासी मनीष सोनी जो कि सालों से लोगों पर बीमा अभिकर्ता के रूप में सेवा कर रहे हैं व नगर के सा साथ आस पास लगे गांव के लोगों पर एक अटूट विश्वास बनाय रखे है जिन्होंने भारतीय जीवन बीमाक्षेत्र पर उत्कृष्ट कार्य करते हुए नगर बेरला के प्रथम स्ष्ठऋक्ष की सदस्यता प्राप्त की जिसके बाद सूचना प्राप्त होते ही नगर बेरला वार्ड के जनसेवक नितेश सोनी ने बड़े भाई को शुभकामनाओ भरे संदेश देते हुए कहा बधाई हो आगे आप ऐसे ही कार्य कर अपने ओर अपने परिवार का नाम रोशन करे भारतीय जीवन बीमा के माध्यम से आप लोगो की सेवा करे आपके ओर जनता के बीच जो अटूट विश्वास है वो बरकरार रहे व नितेश सोनी ने अभिकर्ता मनीष सोनी को बजरंग दल के किसी कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित करने की भी बात कहीं।

एनएसयूआई का कैंपस यात्रा की तैयारी हुई पूरी

कवर्धा। छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी श्री विशाल चौधरी जी के निर्देशानुसार एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री नीरज पाण्डेय जी के आदेशानुसार सभी जिलों में महाविद्यालय,विद्यालय में ह्स्ढ्ढ के द्वारा कैंपस चलो यात्रा आयोजित किया जा रहा हैं,इस संबंध में पूर्व जिला कार्यकारी अध्यक्ष एव कवर्धा जिला के प्रभारी श्री सोनू साहू जी का आज दिनांक 28 नवंबर कवर्धा रेस्ट हाउस शाम 8 बजे बैठक आयोजित किया।जिसमें जिले के समस्त ह्स्ढ्ढ के पदाधिकारी एव कवर्धा व पंडरिया विधानसभा के कार्यकर्ताओ से मुलाकात हुई।बाकी रूपरेखा तैयार कर बैठक आयोजित करने के पश्चात प्रभारी महोदय रात्रि में विश्राम कर अगले 29 नवम्बर को सुबह जिले के वरिष्ठ कांग्रेस के सदस्यों के मार्गदर्शन में पोस्टर विमोचन कर कार्यक्रम की शुरुआत किया।तत्पश्चात नगर के स्थान शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कवर्धा एवं कन्या महाविद्यालय में कैंपस यात्रा के उद्देश्य को लेकर सीधे छात्रों से संवाद कर उनकी बातों को सुना गया।उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमन दुबे,हरीश देवांगन,राहुल यादव,वाल्मिकी वर्मा,वीरेंद्र जांगड़े, शितेश चन्द्रवंशी,ओम मिश्रा सहित समस्त प्रदेश पदाधिकारी,जिला/ विधानसभा/ब्लॉक कार्यकारिणी, मीडिया/सोशल मीडिया विभाग पदाधिकारी,स्कूल यूनिट पदाधिकारी, विश्विद्यालय/ महाविद्यालय इकाई के पदाधिकारी, छात्रसंघ के पदाधिकारी की उपस्थिति सैकड़ो की सख्या में रहे।

ग्राम पंचायत पिरिद के पांच खिलाड़ियों ने लिया था हिस्सा

गुंडरदेही । बालोद जिला के नाम रहा यूथ बालिका चैंपियनशिप 19 से 21 से राज्य स्तरीय ओपन वेइटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जहां यूथ चैंपियनशिप में बालोद जिला के नाम रहा और साथ ही बालिका जूनियर एवं सीनियर वर्ग में भी उपविजेता रहे। ग्राम पिरिद पंचायत से 5 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसमें कक्षा 10वीं की भारती साहू ने यूथ एवं जूनियर वर्ग में गोल्ड एवं सिल्वर मैडल और हेमा मांडवी यूथ में गोल्ड एवं जूनियर एवं सीनियर वर्ग सिल्वर मेडल प्राप्त किया। प्रभा देशमुख प्रतिनिधित्व अजंली मंडावी जूनियर एवं सिनियर वर्ग में सिलवर मेडल प्राप्त किया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता भुवनेश्वर में 21 से 22 जनवरी 2022 को होगी। सभी छात्र शासकीय कमरौद स्कूल की हैं। गुंडरदेही विधायक एवं संसदीय सचिव कुंवर सिंह ने कहा कि एक दिन जरूर यह बच्चे हमारे राज्य एवं हमारे देश का नाम रोशन करेंगे। यह कह कर बच्चों को आशीर्वाद एवं उत्साहित कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज से 2399 केंद्रों में ...

अच्छी किस्म के मक्का का समर्थन मूल्य 1870 रूपए प्रति क्विंटल का दर निर्धारित है।

जरुरत के मुताबिक नहीं मिला बारदाना : अधिकारियों ने बताया कि 105 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने के लिए सवा पांच लाख गठान बारदाने की जरूरत पड़ेगी। जूट कमिश्नर के माध्यम से राज्य को 86 हजार जूट बारदाने मिल चुके हैं। भारत सरकार द्वारा राज्य को 2.14 लाख गठान नये जूट बारदाने की आपूर्ति जूट कमिश्नर के माध्यम से किये जाने की सहमति प्रदान की गई है। इसके अलावा राज्य शासन द्वारा उचित मूल्य की दूकानों और मिलरों के माध्यम से लगभग एक लाख गठान बारदाने की व्यवस्था कर ली गई है तथा ओपन मार्केट से लगभग 1.13 लाख गठान एचडीपीई-पीपी बारदाने की व्यवस्था की जा रही है। धान खरीदी के पहले दिन से ही किसानों को स्वयं के बारदानों में धान बेचने की अनुमति दी गयी है।

गड़बड़ी मिलने पर नोडल अफसर होंगे जिम्मेदार : खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। इन नोडल अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन धान खरीदी तथा अन्य व्यवस्था व समस्याओं से संबंधित स्थितियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। यदि इन नोडल अधिकारियों के प्रभार वाले खरीदी केन्द्रों में गड़बड़ी पाई जाती है तो इसके लिए नोडल अधिकारी जवाबदेह होंगे।

सांसदों के निलंबन पर...

(कांग्रेस) को निलंबित किया गया है।

क्यों निलंबित हुए सांसद : 11 अगस्त को बीमा बिल पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ था। संसद के अंदर खींचातानी भी होने लगी थी। आलम ये हो गया था कि मामले को शांत कराने के लिए मार्शलों को बुलाना पड़ गया था। उस दिन हुए हंगामे पर राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा था कि जो कुछ सदन में हुआ है, उसने लोकतंत्र के मंदिर को अपवित्र किया है।

भारत को मिला...

रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन वित्तीय शक्तियों के तहत किया गया है। इसके तहत वे चीन के साथ चल रहे सीमा संघर्ष के बीच अपनी युद्धक क्षमताओं को उन्नत करने के लिए 500 करोड़ रुपये के उपकरण और सिस्टम खरीद सकते हैं। गौरतलब है कि साल 2019 में भी बालाकोट एयर स्ट्राइक के तुरंत बाद भारतीय सेना को यह ड्रोन उपलब्ध कराई गई थीं। वहीं इसी सुविधा का इस्तेमाल करते हुए भारतीय नौसेना ने दो प्रीडेटर ड्रोन को भी लीज पर लिया है जो अमेरिकी फर्म जनरल एटॉमिक्स से लिए गए हैं।

क्या इस बार छत्तीसगढ़िया ...

के बावजूद जागेश्वर साहू को पंजाबी भजन सिंह निरंकारी के हाथों पराजय झेलनी पड़ी थी।

भिलाई राज्य का ऐसा क्षेत्र है। जहां पूरे देश के जाति व समुदाय के लोग रहते हैं। जिसमें अच्छी खासी सं या बिहार व यूपी के लोगों की है। उनके जरिए अपना नेतृत्व साधे रखने के लिए भाजपा के दोनों कद्दावर नेता प्रेम प्रकाश पांडेय और सरोज पांडेय ने यह भ्रम उत्पन्न किया हुआ है कि भिलाई में बिहार व यूपी के मूल का व्यक्ति ही चुनाव आसानी से जीत सकता है और अवधारणा को कायम रखने के लिए यदि पार्टी के उ मीदवारों को हराना पड़ा है तो वे कभी नहीं चूकते हैं। इस बार भी इस मिथक को कायम रखने के लिए जद्दोजहद जारी है।

राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढिया़ मु यमंत्री और छत्तीसगढ़वाद को कांग्रेस ने बेहद हवा दी है। इस बहाने क्षेत्रीयता के नाम पर मतदाताओं को एकजुट करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। दुर्ग जिले से मु यमंत्री भूपेश बघेल सहित तीन मंत्री जिनमें गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, लोक यांत्रिकी स्वास्थ्य (पीएचई) रूद्र कुमार गुरू शामिल हैं। यह तीनों ही मूलतः छत्तीसगढिय़ा होने का दम भर रहे हैं। चुनावी तैयारियों में कांग्रेस बहुत आगे है, लेकिन इन चुनावों में उन्हें सिद्ध करना है कि जिस छत्तीसगढिय़ावाद को वे राज्य में स्थापित कर रहे हैं। वह भिलाई में स्थापित होता है या नहीं, यही संकट भाजपा के दोनों कद्दावर नेताओं पर भी है कि वे गैर छत्तीसगढ़ी उ मीदवारों को जीता पाते है या नहीं।

छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग दन्तेवाड़ा वनमण्डल, दन्तेवाड़ा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जाता है कि जगदलपुर वृत्त के अन्तर्गत दन्तेवाड़ा काष्ठागार में नीचे दर्शाये अनुसार ईमारती नये/पुराने काष्ठ का नीलाम किया जावेगा।

1. नीलाम दिनांक - 02-12-2021
2. नीलाम स्थल का नाम - काष्ठागार दन्तेवाड़ा (आंवराभाठा)
3. डिपो का नाम जहां वनोपज रखी गई है - दन्तेवाड़ा आंवराभाठा दन्तेवाड़ा
4. नीलाम समय - 10.00 बजे पूर्वान्ह से

प्रजाति	नयी काष्ठ			पुरानी काष्ठ		
	नग	घ. मी.	बल्ली/डेंगरी	नग	घ.मी.	बल्ली/डेंगरी
सागौन	90	5.568	33/22	378	23.901	6/62
साल	17	3.039	2/2	2039	415.446	7/7
बीजा	11	0.490	0	179	26.124	13/2
साजा	9	0.290	4/4	77	7.808	2/1
सीवना	0	0	0	2	0.109	1
हल्दू	28	5.593	4/3	0	0	0
धावड़ा	0	0	0	37	3.092	1/2
अन्य	17	0.973	100/4	29	7.504	16/2
सागौन चिरान	508	4.923	0	42	0.464	0
साल चिरान	48	0.851	0	0	0	0
बीजा चिरान	15	0.237	0	0	0	0
अन्य चिरान	20	0.088	0	0	0	0
योग :-	763	22.052	143/35	2783	484.448	46/76

इच्छुक व्यापारी नीलाम में भाग लेने के पूर्व नीलाम शर्तें एवं विस्तृत जानकारियाँ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त कर सकते है। कृपया बोली लगाने के पूर्व नीलाम में रखी गई नये/पुराने ईमारती काष्ठ का श्रेणी को भंली-भांति देख लेवें। वर्ष-2021 का व्यापार पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं फर्म का पेन नम्बर/जी.एस.टी. नम्बर की प्रति नीलाम के दिन सत्यंकार राशि का भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, बड़ौदा बैक, देना बैंक, एक्सिस बैंक, सेन्ट्रल बैंक, चेक के साथ अनिवार्य रूप से सत्यंकार कक्षे में प्रस्तुत करना होगा।

नीलाम में बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि जो एक हजार से कम नहीं होगी सत्यंकार अधिकारी के पास जमा करना अनिवार्य है।

जी-65478/4

वनमण्डलाधिकारी
दन्तेवाड़ा वनमण्डल,
दन्तेवाड़ा

**OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR**
797/2, SHANTIKUNJ, SOUTH CIVIL LINES, JABALPUR - 482001

DEMAND NOTICE

NOTICE UNDER SECTIONS 25 TO 28 OF THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993 AND RULE 2 OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961.

RC/805/2019 26.11.2021

**PUNJAB NATIONAL BANK
VERSUS
JYOTI SHARMA**

To

(CD 1) JYOTI SHARMA
Flat No. 203, Second Floor, Golha Enclave, Amlidih, Raipur (C.G.) 492001.
(CD 2) VIKRAM RATERIYA
Ashok Tower, Shankar Nagar, Raipur (C.G.), Also at: C-13, Near Magneto Mall, Raipur (C.G.) Raipur, Chhattisgarh- 492001.

This is to notify that as per the Recovery Certificate issued in pursuance of orders passed by the Presiding Officer, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR in **OA/979/2018** an amount of **Rs. 3898497.00 (Rupees Thirty Eight Lakhs Ninety Eight Thousands Four Hundred Ninety Seven Only)** along with pendentelite and future interest @ 12.00% Simple Interest Yearly w.e.f. **16.08.2018** till realization and costs of **Rs 41000 (Rupees Forty One Thousands Only)** has become due against you (Jointly and severally).

2. You are hereby directed to pay the above sum within **15** days of the receipts of the notice, failing which the recovery shall be made in accordance with the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and Rules there under.

3. You are hereby ordered to declare on an affidavit the particulars of yours assets on or before the next date of hearing.

4. You are hereby ordered to appear before the undersigned on **24/01/2022** at **10:30** a.m. for further proceedings.

5. In addition to the sum aforesaid, you will also be liable to pay:

(a) Such interests as is payable for the period commencing immediately after this notice of the certificate / execution proceedings.

(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and warrants and other processes and all other proceedings taken for recovering the amount due.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **26/11/2021**

Recovery Officer
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JABALPUR (M.P.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे
फोन व फैक्स : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

भाजपा ने जारी की बीरगांव नगरीय निकाय प्रत्याशियों की सूची, कांग्रेस में अभी भी मंथन जारी

रायपुर/नवप्रदेश। नगरी निकाय चुनाव के मद्देनजर भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रायपुर संभागीय चयन समिति की बैठक के साथ ही अन्य चुनाव समिति की बैठक मंगलवार को रखी गई थी, जिसमें नगरीय निकाय प्रत्याशियों के नामों की सूची लगभग तय हो गई है। वहीं पहली बैठक में मंगलवार को बीरगांव नगरीय निकाय के 40 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी गई है।

वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने मीडिया से जानकारी साझा करते हुए कहा कि 40 वार्डों के प्रत्याशी के नामों की सूची जारी की गई है। उन्होंने कहा कि

प्रत्याशियों की जीत को मापदंड माना गया है। जो चुनाव जीतने योग्य हैं उन्हीं को निकाय चुनाव के लिए टिकट दी गई है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के समीकरण को ध्यान में रखा गया है, जिसमें जीतने योग्य प्रत्याशियों का चयन किया गया है।

बृजमोहन अग्रवाल ने नगरी निकाय चुनाव में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ को कांग्रेस की बी टीम करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से है और कांग्रेस के प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस ही काफी है।

कांग्रेस में नहीं बानी उम्मीदवारों के नाम पर एक राय

कांग्रेस में भी चुनाव समिति की बैठक मंगलवार को हुई, जिसमें पीसीसी प्रभारी चंदन यादव, पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित मंत्रिमंडल के सदस्य मौजूद रहे। लेकिन घंटों चली इस बैठक में प्रत्याशियों पर कोई निर्णय अभी तक नहीं हो पाया है। चुनाव समिति की बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा की पैनल और सिंगल नाम पर चर्चा की गई है। कुछ नामों पर दोबारा चर्चा की जाएगी यही कारण है की पहली बैठक में नगर निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशियों का ऐलान नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जीतने वाले प्रत्याशियों को ही टिकट दिया जाएगा, यही कारण है कि थोड़ा समय जरूर लग रहा है।

न्यूज गैलरी

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

भाटापारा। नगर के हथनी पारा वार्ड निवासी शिव निषाद की हत्या करने वाले आरोपी तिलक राम साहू उर्फपिंटू साहू व रोहन कश्यप दोनों निवासी भाटापारा को धारा 302/34 भा. द. संहिता के आरोप में चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा श्रीमती किरण त्रिपाठी ने आजीवन कारावास एवं एक - एक हजार रुपये आर्थिक दण्ड से दंडित किया हैं। उपरोक्त संबंध में जानकारी देते हुए अपर लोक अभियोजक

न्याजी खान ने बताया की 02-अप्रैल-2019 को शहर के हथनी पारा मुहल्ले के ही दोनों आरोपीगण एक राय होकर मृतक शिवकुमार निषाद के साथ लात - घूंसा से मारपीट किया जिससे प्राण घातक चोट आने पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। आरोपीगण हत्या के दंड से बचने के लिए हत्या के साक्ष्य को विलोपित करने का समान्य आशय बनाते हुए मृतक को आई चोट का उपचार कराएंगे कहकर थाना मे सूचना दिये बिना शिवकुमार को आई प्राण घातक चोटों का उपचार कराया। उपचार के दौरान चोंट अधिक लगने से खून बह जाने के कारण उसकी मौत हो गई। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना द्वारा अपराध धारा 302/34 भा.द.वि. दर्ज कर विवेचना अधिकारी में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपीयों को गिरफ्तार कर गवाहों के कथन लेखबद्ध किये गए तथा प्रकरण में संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहाँ से प्रकरण अपर सत्र न्यायालय में उपार्पण पर प्रेषित किया गया।

कोविड टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए हर घर दस्तक अभियान

- धान खरीदी सहित कलेक्टर ने की विभागीय कामकाज की समीक्षा

बेमेतरा। कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान ने आज मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष मे समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यो की काम काज की समीक्षा की। इस दौरान विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होने कोविड टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए हर घर दस्तक अभियान के तहत नागरिकों को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। बेमेतरा जिले मे शनिवार 04 दिसम्बर को कोविड टीकाकरण का महाअभियान आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए जिला स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। 01 दिसम्बर से प्रारंभ होने वाली समर्थन मुल्य पर धान खरीदी के संबंध मे खाद्य एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। जिलाधीश ने गौठानों मे पैरादान करने के लिए किसानों को प्रेरित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग से संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों का डाटा आयोग की वेबसाईट मे दर्ज करने का निर्देश नगरीय निकाय के सीएमओ एवं जनपद पंचायत के सीईओ को दिए।

कलेक्टर ने विभाग प्रमुखों को संबंधित विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ''न्याय का छत्तीसगढ़ मॉडल'' जिला विकास पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा कि आवेदन जो आम जनता के द्वारा मुख्यमंत्री जनचौपाल, कलेक्टर शिकायत शाखा, केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निवारण प्रणाली (सीपी ग्राम्स), जन शिकायत पीजीएन एवं लोक सेवा गारंटी आदि के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा हैं। साथ ही राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषक मजदूर न्याय योजना, आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल निर्माण की प्रगति, गोधन न्याय योजना, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन एवं विक्रय, चारागाह विकास की जानकारी की समीक्षा की। बैठक मे जिला पंचायत सीईओ श्रीमती लीना मण्डावी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बेमेतरा दुर्गेश कुमार वर्मा, बेरला संदीप ठाकुर, नवागढ़ विश्वास राव मस्के तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

निर्वाचन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में नगर पालिक निगम राजनांदगांव के वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद पद के उप निर्वाचन एवं नगर पालिका परिषद खैरागढ़ के सभी वार्डों में पार्षद पद के आम निर्वाचन की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि निर्वाचन महत्वपूर्ण कार्य है। इसे गंभीरता से लेते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करना है। निर्वाचन में सभी पदाधिकारियों तथा विभागों के कार्य स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में उपयोग होनी वाली सामग्रियों का चेक लिस्ट तैयार किया जाए और इसके अनुरूप कार्य करें। निर्वाचन के लिए वाहन की व्यवस्था, प्रशिक्षण दल का गठन, लेखन सामग्री, मतपत्र, मतपत्र पेटी, मतदाता सूची की चिन्हित प्रति, सामग्री वितरण, स्ट्रांग रूम, मानदेय प्रभारी सहित अन्य कार्यों के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाए।

अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस लगातार कर रही है संध्या एवं रात्रि गश्त

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रज्ञा मेश्राम द्वारा नदंई चौक में शहर के समस्त थाना चौकी प्रभारियों को अपने दल-बल के साथ फालीन करा कर ब्रीफकिया गया। अपराधों पर नियंत्रण हेतु शहर भ्रमण, होटल, ढाबा, लाज, बस अड्डा आदि चेक करना संदिग्धों से पूछताछ करना व प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। गुंडा बदमाश निगरानी बदमाश व असामाजिक तत्वों पर सतत निगाह रखने को कहा गया इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (आईयूसीएडब्ल्यू) श्रीमती नेहा वर्मा और थाना प्रभारी कोतवाली, बसंतपुर, लालबाग, ओपी चिखली एवं सुरगी सम्मिलित हुए। ब्रीफिंग पश्चात पुलिस बल द्वारा शहर के नंदई चौक, इंदिरा नगर, भारत माता चौक, जय स्तंभ चौक, गौरी नगर, देशमुख होटल चौक होते हुए गली-मोहल्ले में गस्त कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं अपराधियों में डर का माहौल बना है। जिले के समस्त थाना चौकियों में विजुअल पुलिसिंग के तहत् जिले के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने.अपने थाना क्षेत्रों में उपरोक्तानुसार कार्यवाही की जा रही है।

नगरपालिका आम/उप निर्वाचन हेतु लाइजनिंग ऑफिसर नियुक्त

बेमेतरा। छग राज्य निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर संदीपान ने एक आदेश जारी कर बेमेतरा जिले में नगरपालिका आम/उप निर्वाचन 2021 हेतु नियुक्त प्रेक्षकों के लिए लाईजनिंग ऑफिसर नियुक्त किए हैं। जिसमें सामान्य प्रेक्षक पी. दयानंद संचालक समाज कल्याण के लाईजनिंग ऑफिसर, सौरभ बख्शी जिला आबकारी अधिकारी बेमेतरा तथा व्यय प्रेक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा वरिष्ठ लेखा अधिकारी के लाईजनिंग ऑफिसर, चंद्रशेखर शिवहरे कार्यपालन अभियंता जलसंसाधन बेमेतरा को नियुक्त किया गया है।

दाना-दाना खरीदने की बात कहने वाली सरकार बारदाना देने में असमर्थ : पुष्पेंद्र चंद्राकर

गुंडरदेही । विपणन वर्ष 2021-22 में धान खरीदी के हेतु 25 प्रतिशत बारदाना किसानों से लेने के बेतुके मौखिक आदेश के लिए जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र चंद्राकर ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए तंज कसा है। उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से कहा कि किसानों से धान का दाना-दाना खरीदने की बात कहने वाली प्रदेश सरकार आज बारदाना खरीदने में असमर्थ हो चुकी है और 25 प्रतिशत बारदाना किसानों से लेने की बात कह रही है जबकि इसके लिए विभाग के पास सरकारी निर्णय का कोई लिखित आदेश नहीं है। उन्होंने किसानों को आग्रह करते हुए कहा कि धान खरीदी में बारदाना के विषय में समिति प्रबंधक एवं कर्मचारियों के द्वारा किसानों को गुमराह किया जा रहा है 25त्न बारदाना किसानों से मांगना पूर्णतः गलत है इसकी जानकारी अभी तक विभाग के पास लिखित में नहीं आया है इसलिए क्षेत्र के किसान 25 त्न बारदाना सरकार को देने हेतु बाध्य न हों। उन्होंने राज्य सरकार की धान खरीदी की नीति को अविवेकपूर्ण बताते हुए कहा कि किसानों ने 50-60 रुपये की दर से बारदाना खरीदकर समिति के माध्यम से सरकार को दिया था लेकिन इसके एवज में सरकार द्वारा मात्र 15 रुपये की राशि वापस की गई और कई जगहों पर किसानों को 15 रुपये का भुगतान भी नहीं हुआ है।

शराब बिक्री करते दो गिरफ्तार

राजनांदगांव। खैरागढ़ पुलिस ने बाजार अतरिया क्षेत्र में शराब की अवैध बिक्री करने वाले शातिर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि बाजार अतरिया सहित आसपास के क्षेत्र में लंबे समय से शराब की अवैध बिक्री की शिकायत सामने आ रही थी। जिस पर टीम जांच कर रही थी। बीते शनिवार को पुलिस ने बाजार अतरिया में दबिश देकर शातिर आरोपित उत्तम महिलांगे (29) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपित से शराब रखने के वैध लाइसेंस के संबंध में जानकारी मांगी गई, जिसके नहीं होने पर उसके पास से 30 पौवा देसी शराब बरामद किया गया। आरोपित बाजार अतरिया का ही रहने वाला है। उसे अवंती चौक में ही पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। वहीं पुलिस की दूसरी टीम ने बाजार अतरिया में ही पानी टंकी के पास आरोपित जयकरण विश्वकर्मा को 31 पौवा देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपित के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया है।

मटका में किया गया एनसीसी डे का आयोजन

बेमेतरा । जिले के ग्राम मटका शासकीय हाई स्कूल में एनसीसी दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर प्रत्येक वर्ष नवंबर के अंतिम रविवार को एनसीसी दिवस के रूप में मनाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 छत्तीसगढ़ घुड़सवार रेजीमेंट एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल हरेंद्र तिवारी के आदेशानुसार जिले में घुड़सवार रेजिमेंट से संबंधित एक मात्र संस्था शासकीय हाई स्कूल मटका के एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी दिवस धूमधाम से मनाया। एनसीसी डे का कार्यक्रम एनसीसी अधिकारी प्रभात सिंह के निर्देशन में हुआ। उन्होंने एनसीसी डे के बारे बताया कि ग्राम मटका में स्थित पंचायत भवन एवं डाक घर के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही कविता व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। एनसीसी की स्थापना 1948 में की गई थी और आज देश भर में एनसीसी के करीब 15 लाख केडेट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनसीसी एलुमनाई एसोसिएशन का भी शुभारंभ किया। इस संघ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व एनसीसी कैडेट के रूप में एसोसिएशन के पहले सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है। एनसीसी के पूर्व कैडेटों को एनसीसी के साथ फिर से जोड़ने में सक्षम बनाने के लिए छात्र संघ की शुरुआत की गई है। यह संघ एनसीसी उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगा और राष्ट्र निर्माण में सहयोग करेगा। एनसीसी विश्व की सबसे बड़ी यूनिफॉर्म फॉर से एनसीसी में कैडेट सामाजिक और सामुदायिक विकास के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

शहर में हुई 4 चोरियों के मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा। शहर में लगातार हो रही चोरियों के मामले में पुलिस को 4 स्थानों में चोरी करने वाले 2 चोरो को पकड़कर उनके पास से चोरी कुछ सामान और नकदी रकम जब्त किया है।दोनो आरोपी शातिर बदमाश और पूर्व में जेल से छूटे बताए जाते हैं। उपरोक्त सम्बन्ध में शहर थाना प्रभारी महेश कुमार धुव ने बताया कि शहर में 4 लोगो के निवास पर हुई चोरी के प्रकरण में दो आरोपियों हनुमान प्रसाद गुप्ता उर्फ पप्पू उर्फ बन्ने निगरानी (बदमाश) रवि ध्रुव निवासी कल्याण सागर तालाब पार भाटापारा को चोरी के समान के साथ में गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त् हुई है। टी आई धुव ने बताया कि आरोपियों ने शंकर वार्ड निवासी मोहन अग्रवाल के यहाँ 26 नवम्बर के सोने चांदी के जेवर की चोरी, संजय कुमार गुप्ता संजय वार्ड निवासी के यहाँ 27 नवम्बर की रात गणेश व हनुमान भगवान के पीतल की मूर्ति व नगदी रकम की चोरी, यूरोप सिंह क्षत्रिय परशुराम वार्ड निवासी के घर का ताला तोड़ कर घर मे घुसने और प्रार्थी पंकज अग्रवाल गांधी मंदिर वार्ड निवासी के यहाँ 6 नवम्बर की रात का घर अंदर घुसकर नगदी रकम 15000 रूपये चोरी के इन चार मामलो में उनकी गिरफ्तरी की है।

श्री धुव ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी और वारदात के तरीकों को ध्यान में रखकर जेल से छूटने और शहर में प्रवेश करने वालो की पतासाजी हेतु दो टीम तैयार कर चोरों की पता तलाश की जा रही थी

इस बीच सूचना मिली की हुनमान प्रसाद गुप्ता करीब डेढ दो माह पहले जेल से छूटा है तथा अपने पास से नगदी रकम व चांदी का पायल भी रखा है सूचना पर हुनमान गुप्ता को हिरासत में लकर पूछताछ कर उसके घर की तलाशी ली गई।

चिकन ट्रेडिंग के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

- धोखाधड़ी करने के पश्चात पिछले 1 साल से छुपा था दिगर प्रांत में
- फरीदाबाद हरियाणा से किया गया आरोपी को गिरफ्तार

राजनांदगांव। 16 दिसंबर 2020 की प्रार्थी लवकुमार कक्कड़ निवासी रामाधीन मार्ग राजनांदगांव के लिखित शिकायत पर आरोपी समीर चक्रवर्ती द्वारा स्वयं को शालीमार हैचरिज प्रायवेट लिमिटेड कंपनी में एरिया सेल्समेन के पद पर होना बताते हुये चिकन ट्रेडिंग में 6-8 माह में रकम डेढ़ गुना होने का झांसा देकर आरोपी को विश्वास में लेकर उससे ट्रेडर्स कोड खुलवाकर उसके विभिन्न फर्मो से पैसे डलवाकर कुल राशि 52,36,935 रूपये हड़प करना तथा अन्य व्यापारी रूपेन्द्र से चिकन टेड्रिंग के नाम पर 9,66,438 रूपये तथा विजय बहादुर सिंह निवासी राजनांदगांव से कम समय में अधिक पैसा देने का प्रलोभन देकर चिकन ट्रेडिंग हेतु नगदी 16,00,000 रूपये का घोखाधड़ी करने के संबंध में थाना कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कराया गया कि आरोपी समीर चक्रवर्ती के पते मुदलियार कालोनी स्टेशन पारा चौकी चिखली जाकर उसके परिजन से पता करने पर पिछले एक साल से आरोपी को सकुनत में ना होना बताये। दौरान विवेचना के आरोपी के फरीदाबाद हरियाणा में होने की मुखबिरी सूचना पर पुलिस अधीक्षक डी. श्रवण एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमति प्रज्ञा मेश्राम एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरवराय के मार्गदर्शन में निरीक्षक अलेक्जेण्डर किरो थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम रवाना की गई थी कि उपरोक्त आरोपी समीर चक्रवर्ती पिता रंजीत चक्रवर्ती उम्र 40 वर्ष साकिन पन्हेराखुर्द बल्लभगढ़ थाना आदर्श नगर जिला फरीदाबाद से पतातलाश कर थाना लाया गया एवं पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा जुर्म स्वीकार करने तथा उपरोक्त रकम को चिकन ट्रेडिंग कंपनियों में घाटा होने से प्रार्थीगणों को रकम अदा करने के डर से दिगर प्रांत फरीदाबाद हरियाणा चले जाना बताया कि आरोपी सवर को 27.11.2021 के 21.05 बजे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय से ज्युडिशियल रिमांड प्राप्त कर जेल दाखिल कराया गया। आरोपी की पतातलाश में थाना कोतवाली में पदस्थ उप निरीक्षक नरेन्द्र कुमार मिश्रा, चौकी तुमडीबोड़ में पदस्थ सउनि राजकुमार महिलांग एवं थाना सोमनी के प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार यादव की भूमिका सराहनीय रही।

कोरोना संक्रमण से मृत व्यक्ति के परिजनों को भटकाने की शिकायत कलेक्टर से

- कोरोना से मृत व्यक्तियों के परिजनों को नही मिल पा रहा है लाभ
- महज 450 लोगों को ही मिल पाया है अब तक योजना का लाभ

राजनांदगांव। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में सीएमओ कार्यालय की शिकायत की गई। हिन्दू युवा मंच ने सीएमओ कार्यालय के आलाधिकारियों पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा है कि, कोरोना संक्रमण से मृत व्यक्तियों के परिजनों को विभाग द्वारा भटकाया जा रहा है। फाईल अगली कार्यवाही के बढ़ाई ही नही जा रही।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिन्दू युवा मंच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी और शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार आपदा प्रबंधन नियम 6, 4 के तहत कोविड -19, कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण मृत हुए व्यक्तियों के परिजनों को आर्थिक मदद पहुँचाने के महत्वाकांक्षी उद्देश्य से प्रत्येक राज्य सरकार को कोरोना संक्रमण से मृत व्यक्तियों के परिजनों को 50 हजार रुपये की मुआवजा बनाम सहायता राशि दी जा रही है। राजनांदगाँव जिले में भी बड़ी संख्या में लोग कोरोना की चपेट में आकर काल का ग्रास बन गए। जिनके परिजनों को मुआवजे के रूप में 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद शासन के द्वारा की जा रही है, लेकिन विभागीय उदासीनता का नतीजा ही कहिए कि, सीएमओ कार्यालय से फाईल आगे बढ़ने का नाम ही नहीं ले रही है। मानो फाईल को आगे बढ़ाने के एवज में कमीशन खोरी की इनकी मंशा हो। अब इसे सरकारी कार्यप्रणाली की विवशता माने या इनका लचर और उदासीन रवैया, जब तक परिजन 5-6 चक्कर दफ्तर में नहीं लगाते फाईल आगे बढ़ती ही नहीं। इसके पीछे की स्वार्थसिद्धि अथवा मंशा विभागीय अधिकारी ही जाने। यहीं नहीं जब तक किसी बड़े नेता या अधिकारी का फोन नहीं आता तब तक फाईल एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाती ही नहीं। इनकी लचर कार्यप्रणाली को उदासीनता कहें या अकर्मण्यता। इसकी संज्ञा जो भी हो, लेकिन परिभाषा स्वार्थपूर्ति और कमीशनखोरी पर ही आकर अटकती है। आर्थिक मदद सरकार दे रही है।

कार्यालय कलेक्टर, जिला-बीजापुर, छत्तीसगढ़
अल्पकालिक द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
(निविदा आमंत्रण सूचना)

निविदा क्र./38 — बीजापुर, दिनांक 24/11/2021

कलेक्टर, जिला बीजापुर की ओर से राज्य परियोजना कार्यालय राज्य माध्यमिक शिक्षा अभियान अन्तर्गत स्वीकृत कार्य को जिला निर्माण समिति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में दिनांक 01.01.20215 से प्रचलित एस.ओ.आर. (भवन निर्माण कार्य के लिए) दर प्रतिशत दर के आधार पर तथा लोक निर्माण विभाग में एकल पद्धति से पंजीकृत एवं पात्र ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमा. लागत राशि रु. (रु. लाख में)	अमानत राशि (रु. में)
01	50 सीटर पोटाकेबिन बालिका छात्रावास भवन, वाटर सप्लाई, सेनीटेशन फिटिंग, बोरवेल एवं विद्युतिकरण सहित निर्माण कार्य फरसेगढ़ (संशोधित कार्य स्थल आवापल्ली) उसूर	49.45	37500.00

महत्वपूर्ण निर्देश :-

निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि	- 04/12/2021 सायं 5.00 बजे तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि	- 13/12/2021 अपरान्ह 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि	- 13/12/2021 अपरान्ह 3.30 बजे तक
टेंडर फार्म का मूल्य	- 1500.00 प्रति फार्म
कार्य पूर्ण करने की समय सीमा	- 5 वर्षा ऋतु सहित
ठेकेदारो की श्रेणी	- डी-श्रेणी या उससे ऊपर

निविदा प्रपत्र कलेक्टर कार्यालय जिला निर्माण समिति शाखा बीजापुर में आवेदन के साथ ऊपर दर्शाये अनुसार निविदा प्रपत्र के मूल्य का डिमाण्ड ड्राफ्ट, चेक एवं नगद जो कि कलेक्टर बीजापुर के नाम से एवं बीजापुर में देय हो (जो वापसी योग्य नहीं है)।

टीप :- निर्माण के संबंध में अन्य आवश्यक विशेष नियम व शर्तों की जानकारी वेबसाईट www.bijapur.gov.in पर उपलब्ध है।

जी-65434/2 — कलेक्टर, जिला बीजापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग धमतरी संभाग धमतरी (छ.ग.)
Email ID-ee.dhamtari@nic.in — Fax No. 07722-235519
क्रमांक 5568/NIT-22/2021-2022/व.ले.लि. — दिनांक 22/11/2021

// निविदा आमंत्रण सूचना //

छत्तीसगढ़ राज्य में बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किये गये 'ई' श्रेणी पंजीयन ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र ए.ई. में प्रतिशत दर पर ब्लॉक स्तर पर मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना अन्तर्गत निम्नलिखित पहुंच मार्गों का निर्माण कार्य निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 13/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि :- 21/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 22/12/2021 पूर्वान्ह 11.30 बजे

एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु में)
22 T0136	ग्राम टिपानी में आंगनबाड़ी भवन शासकीय प्राथमिक शाला मिडिल स्कूल भवन पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 128 मीटर प्रथम आमंत्रण	7.63 5800.00 0.00
22 T0137	ग्राम-भेलवाकूदा में मुख्य गेट से माध्यमिक शाला भवन तक पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 128 मीटर प्रथम आमंत्रण	7.63 5800.00 0.00
22 T0138	ग्राम-सिलघट में उचित मूल्य की दुकान एवं गौरव पथ से माध्यमिक शाला भवन पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 75 मीटर एवं ग्राम भैस मुंडी में आंगन बाड़ी केन्द्र एवं पंचायत भवन पहुंच मार्ग प्रथम आमंत्रण	7.59 5700.00 0.00
22 T0139	ग्राम-बिरेझर में माध्यमिक शाला पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 85 मीटर प्रथम आमंत्रण	5.33 5000.00 0.00
22 T0140	मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजना अंतर्गत ग्राम-गणेशपुर में मुक्ति धाम पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 219 मीटर प्रथम आमंत्रण	13.11 9900.00 0.00
22 T0141	ग्राम-सिरसिदा में माध्यमिक शाला एवं धान खरीदी केन्द्र पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 164 मीटर प्रथम आमंत्रण	9.91 7500.00 0.00
22 T0142	ग्राम-फुसेरा में मुख्य मार्ग से पंचायत भवन पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 191 मीटर प्रथम आमंत्रण	11.52 8700.00 0.00
22 T0143	ग्राम-राखी में मेन रोड से आंगनबाड़ी एवं गुरूघासीदास मंदिर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 128 मीटर प्रथम आमंत्रण	7.63 5800.00 0.00
22 T0144	ग्राम-गिरौद में हाई स्कूल पहुंच मार्ग का निर्माण ल. 125 मीटर प्रथम आमंत्रण	7.65 5800.00 0.00
22 T0145	ग्राम-कुंडेल में उचित मूल्य दुकान एवं आंगनबाड़ी पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ल. 215 मीटर प्रथम आमंत्रण	12.88 9700.00 0.00

1. सभी एनआईटी ई श्रेणी के लिये हैं।
2. एनआईटी T0136 से T0143 कुरूद ब्लॉक एवं T0144, T0145 मगरलोड ब्लॉक के लिये आमंत्रित है।
3. सभी एनआईटी की समयावधि 3 Month Rekondate है।
4. निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है जिसका अवलोकन कार्यालयीन समय में संभागीय कार्यालय में देखी जा सकता है।

टीप :- निविदा आमंत्रित की गई क्षेत्रों में आचार संहिता लागू नहीं है। कृपया प्रकाशन करने का कष्ट करें।

जी-65456/3 — कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. धमतरी, संभाग धमतरी (छ.ग.)

प्लाट, फ्लैट या आशियाना खरीदने जा रहें हैं तो...

भरोसे के दावों और उपहारों की बौछारों के बीच रहें सावधान

विकास श्रीवास्तव

रायपुर। अगर आप अपनी गाढ़ी कमाई से प्लाट, फ्लैट या अपने सपनों का आशियाना खरीदना चाहते हैं तो थोड़ा नहीं पूरी तरह सतर्क हो जाइए। छत्तीसगढ़ के रियल एस्टेट कारोबारी लोकलुभावन स्कीम, फ्री गिफ्ट व अन्य ऐसे कई उपहारों के जरिए आपको प्रभावित करने की होड़ में हैं। प्रदेश की ज्यादातर रियल स्टेट कंपनियां आपको आर्कषित करने के लिए प्रचार-प्रसार में जुटी हुई हैं। इसके लिए कोई खुद की ब्रान्ड वैल्यू पर भरोसा कर आपको प्रभावित करना चाहते हैं, तो कई ऐसे भी हैं जो कन्फ्रेडरेशन आफ रियल स्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन आफ इंडिया (क्रेडाई) के नाम का सहारा लेकर प्रापर्टी बेचने की तैयारी में हैं। यहां यह बताना लाजमी है कि छत्तीसगढ़ में रियल एस्टेट (रेग्युलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट नवंबर 2017 से लागू हैं। इसमें रेरा ने रियल एस्टेट से प्रोजेक्ट्स के लिए कुछ जिम्मेदारियां तय की हैं। इन जवाबदारियों पर खरा न उतरने पर रेरा ने समय-समय पर मिली शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए नामी गिरामी रियल स्टेट कंपनियों और बिल्डरों पर नकेल कसी है। वहीं कईयों पर स्वतः भी संज्ञान लिया है। इसलिए किसी तरह के फेडरेशन, संघ या ब्रांड की तरफ से किए जा रहे दावों के इतर, आपको ऐसे किसी भी प्रोजेक्ट, कंपनी व उससे संबंधित समस्त जानकारी रेरा से आवश्य लेनी चाहिए।

वर्तमान में रेरा की अधिकृत बेवसाइट में ताजा स्थिति कुछ इस प्रकार है। रेरा में रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट 1319 हैं इसमें रजिस्टर्ड प्रमोटर्स 974 हैं वहीं 615 रजिस्टर्ड एजेन्ट हैं। वहीं 1341 शिकायतों का निराकरण होना भी बताया गया है।

नामी रियल एस्टेट कंपनियों व बड़े बिल्डरों पर रेरा की कार्रवाई

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि नवंबर 2017 में अस्तित्व में आने के बाद वर्ष 2018-19 में महज एक वर्ष के अंदर रेरा को एक दो नहीं अपितु 309 शिकायतों मिली इसमें 188 का निराकरण कर रेरा ने अपनी उपयोगिता और उपस्थिति का एहसास कराया। हालांकि 121 शिकायतों का निराकरण नहीं हो सका। वहीं वर्ष 2019-20 में यह शिकायतों में बड़ी वृद्धि देखी गई। इस वर्ष कुल 696 शिकायतें रहीं इसमें से 500 का निराकरण रेरा ने कर दिया वहीं 196 का समाधान नहीं हुआ। वर्ष 2018-19 की बात करें तो इसमें अधिनियम और भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण के निर्देशों के उल्लंघन के लिए भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने 39 प्रमोटर्स और 10 आबंटितियों पर ब्याज अधिरोपित की।

आइए जानते हैं कौन हैं वह 39 प्रमोटर्स.....

1 हर्ष भूमि सिंघानिया बिल्डकान प्राइवेट लिमिटेड
2 वसुंधरा अपार्टमेन्ट तनु कन्स्ट्रक्शन
3 पार्थिवी कन्स्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड
4 तनु कन्स्ट्रक्शन
5 ग्रीन ग्लोरा एम.आहूजा (आई)प्राइवेट लिमिटेड
6 मेसर्स मनिधारी बिल्डर एण्ड डेव्लपर्स
7 व्ही.आई.पी हाईट्स आर.सी.पी. इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड
8 केशरिया पार्श्व बिल्डकान प्राइवेट लिमिटेड
9 तनु कन्स्ट्रक्शन
10 गुलशन वाटिका फेज-2 अधिराज डेव्लपर्स
11 हर्षित लैण्ड मार्क सिंघानिया बिल्डकान
12 तनु कन्स्ट्रक्शन
13 धारा इन्फ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड
14 शांति निकेतन बिजनेस प्राइवेट लिमिडेड
15 रायपुर विकास प्राधिकरण
16 डालफिन प्रमोटर्स
17 डालफिन प्रमोटर्स
18 डालफिन प्रमोटर्स
19 डालफिन प्रमोटर्स
20 डालफिन प्रमोटर्स
21 भोसले कन्सलटेन्सी पार्टनर
22 मेसर्स एम.एस सोनी आर्किटेक्ट
23 रिया वर्ल्ड आफपैराडाइज
24 महामाया इन्फ्र ारियालिटीज प्राइवेट लिमिटेड
25 तनु कन्स्ट्रक्शन
26 मेसर्स गुडलक ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड
27 मेसर्स अंश बिल्डर्स
28 छत्तीसगढ़ गृह निमार्ण मण्डल दुर्ग
29 छत्तीसगढ़ गृह निमार्ण मण्डल दुर्ग
30 जय लोकनाथ बाबा
31 भोसले कन्सलटेंसी पार्टनर
32 सतगुरू इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड
33 अभिलाषा बिल्डर्स
34 अभिलाषा बिल्डर्स
35 निमार्ण बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स
36 मेसर्स ए. ढेबर बिल्डकान
37 मेसर्स महत्वकांक्षी बिल्डर्स
38- छत्तीसगढ़ गृह निमार्ण मण्डल रायपुर

10 आबंटितियों के यह हैं नाम

1-कमल श्री टावर 2- कमल श्री टावर 3- मेसर्स पार्थिवी कन्स्ट्रक्शंस 4-कमल श्री टावर 5-डालफिन प्रमोटर्स एण्ड बिल्डर्स 6-वात्सल्य बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स 7-मेसर्स अंश बिल्डर्स बरसाना रेसीडेन्सी 8-छत्तीसगढ़ गृह निमार्ण मण्डल 9- संत जोसेफटाउन 10- अधिराज बिल्डर्स, गुलशन वाटिका फेज-2

कुछ जानकारियां आपके लिए हो सकती हैं महत्वपूर्ण....

प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

सभी कमर्शियल और रिहायशी प्रोजेक्ट्स को छत्तीसगढ़ रेरा में (छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरटी) के पास पंजीकृत कराना होगा. लेकिन नियमों में कुछ अपवाद भी हैं। मसलन - संबंधित प्रोजेक्ट में एरिया 500 स्क्वेयर फीट से अधिक नहीं है। वहीं, अपार्टमेंट्स की संख्या 8 हो साथ ही बिल्डर को कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिल गया हो।

प्रोजेक्ट अपडेट्स

बिल्डर्स को छत्तीसगढ़ रेरा को हर तिमाही में प्रोजेक्ट्स की स्थिति की जानकारी देनी होगी.

एडवांस डिपॉजिट

राज्य रेरा के नियमों के मुताबिक, बिना लिखित अग्रीमेंट के बिल्डर प्रॉपर्टी की कुल लागत के 10 प्रतिशत से ज्यादा एडवांस पेमेंट नहीं ले सकता.

निलंब खाता

खरीदारों से परियोजना के लिए वसूली गई राशि का 70 प्रतिशत बिल्डर को एक अलग खाते में डिपॉजिट करना होगा. निर्माण की लागत और जमीन खरीदने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

प्रोजेक्ट में देरी पर ब्याज

अगर बिल्डर प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाता या फिर अपार्टमेंट, प्लॉट, बिल्डिंग की पोजेशन अग्रीमेंट के नियमों के मुताबिक नहीं दे पाता तो देरी के लिए उसे हर महीने पेनाल्टी चुकानी होगी. अगर ग्राहक प्रोजेक्ट छोड़ना चाहता है क्योंकि उसके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है तो बिल्डर को उससे मिली राशि ब्याज सहित लौटानी होगी.

प्रोजेक्ट का विज्ञापन

बिल्डर को प्रोजेक्ट का विज्ञापन या प्रोस्पेक्टस रेरा की वेबसाइट पर प्रदर्शित करना होगा. ऐसा इसलिए, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि बिल्डर वह सारी सुविधाएं ग्राहकों को मुहैया करा रहा है, जिसका उसने वादा किया है.

ब्रोकर्स पर पेनाल्टी

अगर कोई ब्रोकर छत्तीसगढ़ रेरा के तहत रजिस्टर नहीं है, उन्हें हर दिन के हिसाब से 10 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा, जिसके दौरान इस तरह की चूक जारी रहती है. यह प्रॉपर्टी वैल्यू या प्रोजेक्ट के 5त्न के बराबर हो सकता है, जो बिना रजिस्ट्रेशन नंबर हासिल किए दलाल के जरिए बेचा गया है.

न्याय क्षेत्र

जो ग्राहक छत्तीसगढ़ रेरा के फैसले से खुश नहीं हैं, वे राज्य कानून के तहत अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील दाखिल कर सकते हैं. अगर इसके फैसले से भी आप संतुष्ट नहीं हैं तो राज्य के हाई कोर्ट में अपील की जा सकती है.

शिकायत का विकल्प

छत्तीसगढ़ रेरा ने ग्राहकों के लिए शिकायत दर्ज करने का विकल्प भी दिया है। ऐसे में संबंधित प्रोजेक्ट में से अगर आप असंतुष्ट हैं या आपको लगता है कि बिल्डर आप से किए गए वादों पर कुछ गड़बड़ी कर रहा है तो आप रेरा में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

चलते-चलते ......

रियल स्टेट कारोबार से जुड़े कई सवालों के जबाब ढूंढने में आप भी हो सकते हैं मददगार, अगर आप के पास है कोई पुख्ता जानकारी तो हमें बताएं। हमारा प्रयास होगा कि इसे हम प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाएं और पड़ताल को अंजाम तक......

रियल स्टेट कारोबार में ब्लैक मनी के खेल की संभावनाएं !
चिटफं ड कंपनियों के संभावित निवेश निवेशकों पर निगाहें!

सुपेबेड़ा को मंत्री अमरजीत भगत ने एंबुलेंस की दी सौगात, किडनी मरीजों से की मुलाकात

■ **नवीन धान खरीदी केंद्र का किया शुभारंभ**

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत अपनी तेज तर्रार कार्यशैली के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। उनकी ऐसी ही कार्यशीली आज उस समय सुपेबेड़ा मे देखने को मिली, जब वे अचानक गांव पहुंचे और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि जल प्रदाय योजना दो साल से अटकी है। मरीजों को अस्पताल लाने ले जाने में भी परिजनों को परेशानी होती है।

जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने तत्काल एक एम्बुलेंस कि स्वीकृति प्रदान की, जो 24 घंटे सुपेबेड़ा वासियों के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके बाद उन्होंने जल प्रदाय योजना के लिए फोन पर सचिव से बात की और काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। यही नहीं ग्रामीणों को अपना पर्सनल मोबाइल नंबर भी दिया और जरूरत पड़ने पर कॉल करने की बात कही। इसके अलावा मंत्री ने पेरिटोनियल डायलेसिस करवा रहे गांव के दोनों मरीजों से मिलकर कुशलक्षेम पूछा। ग्रामीणों ने इस दौरान मंत्री को बताया कि गांव में अभी भी 50 से अधिक किडनी प्रभावित मरीज मौजूद हैं।

दरअसल, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत आज एक दिवसीय दौरे पर बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने चिचिया और सरनाबहाल पहुंचकर नवीन धान खरीदी केन्द्र और खाद गोदाम का शुभारंभ किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदेश में धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण करने का दावा किया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी को लेकर राज्य सरकार गंभीर है। धान खरीदी को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध कराने और टोकन सिस्टम से धान खरीदने के निर्देश दिए गए हैं।

इस दौरान खाद्य मंत्री ने केंद्र सरकार पर पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार धान खरीदी की अनुमति देने में पक्षपात कर रही है। अबतक सरकार छत्तीसगढ़ से अरवा और उसना दोनो किस्म के चावल खरीदती थी, लेकिन इस बार मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ से उसना चावल खरीदने से मना कर दिया है। इससे यहां के राइस मिलरों को भारी नुकसान होगा। इसी मामले में मंत्री ने रमन सिंह पर भी निशाना साधा है। अमरजीत ने कहा कि रमन सिंह दो तरफा बाते करते हैं. एक तरफ किसानों के धान खरीदने की बात करते हैं। दूसरी ओर बारदाना और उसना चावला खरीदने के लिए केन्द्र सरकार को ना तो कोई पत्र लिखते हैं और ना ही कोई बयान जारी करते हैं।

चुनाव कार्य मे गंभीर लापरवाही प्रभारी तहसीलदार थानखम्हरिया निलंबित

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर संदीपान ने आज मंगलवार को एक आदेश जारी कर मोहन लाल झारिया प्रभारी तहसीलदार, थानखम्हरिया एवं रिटर्निंग ऑफिसर नगरीय निकाय उप निर्वाचन 2021 को निर्वाचन कार्य में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण छ.ग. सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1966 में उल्लेखित प्रावधानों के विपरीत होने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। नगर पंचायत थानखम्हरिया के वार्ड क्रमांक 11 मे उपचुनाव के लिए प्रभारी तहसीलदार थानखम्हरिया को रिटर्निंग ऑफिसर के रुप मे दायित्व सौंपा गया था। निलंबन अवधि में मोहन लाल झारिया, नायब तहसीलदार का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, जिला बेमेतरा में रहेगा तथा नियमानुसार निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। मोहन लाल झारिया का निलंबन होने के कारण हेमंत कुमार पैकरा, तहसीलदार को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक तहसीलदार थानखम्हरिया के पद पर पदस्थ किया गया है।

अपने खेत में बच्चों से धान कटवाने वाले हॉस्टल अधीक्षक निलंबित

दंतेवाड़ा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दंतेवाड़ा द्वारा लिंगा राम मरकाम, सहायक शिक्षक एवं प्रभारी अधीक्षक, बालक आश्रम, पोटाली संचालित पालनार विकास खण्ड कुआकोण्डा द्वारा बालक आश्रम शाला में अध्ययनरत छात्रों से निजी खेत में श्रम कार्य लिये जाने संबंधी प्रमाण में प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने तथा अधीक्षकीय कार्य में लापरवाही व स्वैच्छाचारिता बरता जाना पाए जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम-1965 के उपनियम-3 (i) (i i) (iii) के एव छ.ग. सिविल (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत् पोटाली को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में लिंगा राम मरकाम का मुख्यालय कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, कटेकल्याण निर्धारित किया जाता है। इन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी ।

महिला अपराधों की रोकथाम पर एक दिवसीय कार्यशाला

रायपुर। युवा विकास मण्डल संस्था भोपाल एवं मैत्री नेटवर्क क़े सहयोग सें होटल आदित्य रायपुर मे महिला एवं बच्चों पर हो रही अपराध कि रोकथाम को लेकर शासकीय विभागों एवं सामाजिक सेवी संस्थाओ के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, मुख्य अतिथि रुप में उप पुलिस अधीक्षक चंचल तिवारी, विशेष अतिथि डीएसपी आशा सेन, अतिथि सावित्री जगत, बाल संरक्षण अधिकारी नवनीत जी, केंद्र प्रभारी वन स्टॉप प्रीति पांडेय द्ब कार्यशाला क़े मुख्य अतिथि के रुप में उप पुलिस अधीक्षक चंचल तिवारी द्वारा कार्यशाला में प्रतिभागियो को संबोधित किया गया, आज के माहौल में सबसे अधिक जो अपराध हो रहे है, महिलाओं से जुड़े साइबर क्राइम के मामले सामने आ रहे है, इसको लेकर समुदाय स्तर पर स्थानीय लोगों को कार्य करने की आवश्कता हैं, जिससे अपराधियों को रोका जा सके द्ब

कार्यक्रम में युवा विकास मण्डल संस्था सें मनोहर बामनिया द्वारा बताया गया कि संस्था द्वारा अपराधों की रोकथाम को लेकर समुदाय स्तर संगठन निर्माण बच्चों में जागरूकता शिविर, एवं युवाओं को कानून जानकारी उपलब्ध करवाना। जिसमें कि अपराध कम हो सके। साथ ही पीड़ित महिला एवं बच्चियों को मनोचिकित्सा परामर्श, शिक्षा सहयोग राशन एवं पूनर्वस को लेकर आर्थिक सहयोग दिया जाता हैं। साथ ही बच्चों एवं महिला के साथ काम करने वाले शासकीय विभाग के साथ समन्वय कर पीड़ित परिवार को उपाय दिलाने का कार्य किया जा रहा हैं। कार्यक्रम में सखी सेन्टर द्वारा दी जाने वाली सहयोग के बारे में प्रीति पाण्डेय द्वारा बताया गया। बालिका गृह सें रचना दुबे, नारी निकेतन से वंदना मिश्रा, वन स्टॉप से डॉ नीति सिंह काउंसलर, पुलिस विभाग से एएसआई पूर्णिमा तिवारी, युवा विकास मण्डल से वेरोनिका, एकता भादौरिया, लक्ष्मी सिंह, निशा एवं जन साहस से प्रतिभा, विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिवक्ता, 181 महिला हेल्प लाइन प्रियंका पाण्डे, पंच लाइट ओमकार तिवारी सम्मिलित थे।